RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 14 ▪ अंक - 15 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 06-08-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 अंगदान के प्रति जागरूकता को प्रदेश में आगे बढ़ाया जाएगा : गजेन्द्र सिंह
6 गालीबाज नहीं, देश का मान बढ़ाने वाली बेटियाँ चाहिएं
7 विरोध का अधिकार है लेकिन मर्यादा भी जरूरी : सुरभि चंदना

तमिलनाडु की विजय सरकार का पहला बजट पेश, महिलाओं को स्वर्ण उपहार का प्रावधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके सरकार) ने बुधवार को अपना पहला बजट पेश करते हुए महिलाओं को सोने का सिक्का एवं अंगूठी और दुधारू पशु देने समेत कई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की। साथ ही सरकार ने लोकलुभावन चुनावी वादों को चरणबद्ध तरीके से लागू करने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने के बीच संतुलन साधने का प्रयास किया। राज्य के वित्त मंत्री एन. मैरी विल्सन ने बजट पेश करते हुए कहा कि राज्य की वित्तीय स्थिति चुनौतीपूर्ण है और राजस्व बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को भारी कर्ज और सीमित आय वाली वित्तीय व्यवस्था विरासत में मिली है तथा वित्तीय स्थिति को पटरी पर लाने में कम से कम दो वर्ष लगेंगे।

राज्य सरकार ने शराब विनिर्माताओं पर अतिरिक्त विशेषाधिकार शुल्क लगाने का प्रस्ताव किया है, जिससे सालाना लगभग 1,000 करोड़ रुपये अतिरिक्त राजस्व मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा युवाओं के लिए ब्रांडेड साइकिल, लैपटॉप, कृत्रिम मेधा (एआई) कौशल प्रशिक्षण तथा विशेष शहरी आवास जैसी योजनाओं की भी घोषणा की गई। विल्सन ने कहा कि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय तमिलनाडु की हरेक महिला को अपने परिवार का सदस्य मानते हैं। इसके तहत विवाह के अवसर पर महिलाओं को 'अन्नन सीर' योजना के तहत आठ ग्राम सोने का सिक्का और एक रेशमी साड़ी दी जाएगी। संशोधित बजट अनुमान में इस योजना के लिए 812 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि 'थाई मामन थंगा मोथिरम तित्तम' योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले प्रत्येक नवजात को एक ग्राम सोने की अंगूठी दी जाएगी। इस योजना पर 560 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसके अलावा 'वेत्री मगलिर बकरी पालन योजना' के तहत निराश्रित विधवाओं, परित्यक्त महिलाओं, ट्रांसजेंडर और दिव्यांगों को पांच बकरी अथवा भेड़ खरीदने के लिए 100 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। इस योजना से लगभग 30,000 लाभार्थियों को लाभ मिलेगा और इस पर 110 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने सुधार, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई को प्राथमिकता दी है तथा निविदाओं में कथित 'कट' (कमीशन) की प्रथा समाप्त कर दी गई है। नीतिगत मोर्चे पर टीवीके सरकार ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) का विरोध दोहराया और केंद्र से इसे समाप्त कर चिकित्सा पाठ्यक्रमों में 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर प्रवेश व्यवस्था बहाल करने का आग्रह किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा नागालैंड के मोन जिले में नुकसान का जायजा लेने के दौरान भूस्खलन प्रभावित पहाड़ी इलाके का निरीक्षण करते हुए।

असम में बाढ़ से भारी नुकसान; हालात सामान्य होने में समय लगेगा : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवसागर/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों का बुधवार को दौरा किया और कहा कि तबाही का पैमाना इतना व्यापक है कि हालात को सामान्य होने में समय लगेगा। नड्डा ने असम-नगालैंड सीमा पर स्थित नेपालीखुटी इलाके का मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के साथ दौरा किया। यह इलाका 19 जुलाई को आई बाढ़ की हालिया लहर से सबसे बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। नड्डा ने प्रभावित परिवारों से बातचीत के बाद पत्रकारों से कहा, मैंने बाढ़ प्रभावित नेपालीखुटी इलाके का दौरा किया। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भी मेरे साथ थे। हमने तबाही का मंजर देखा। नुकसान इतना बड़ा है कि हालात को सामान्य होने में समय लगेगा। उन्होंने प्रभावित लोगों को केंद्र की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिलाते हुए कहा कि सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी है।

उन्होंने कहा, ''मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से आपको भरोसा दिलाना चाहता हूं कि भारत सरकार की तरफ से कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। चाहे वह आर्थिक मदद हो, पुनर्वास हो, मुआवजा हो या संपत्ति के नुकसान के लिए सहायता, सब कुछ मुहैया कराया जाएगा।'' नड्डा का यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब पूर्वोत्तर राज्य भीषण बाढ़ की स्थिति से जूझ रहा है। बाढ़ जनित घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 89 हो गई है, जबकि पांच जिलों में 1.22 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं और रात भर हुई बारिश के बाद फिर से बाढ़ आने की आशंका बनी हुई है। नड्डा ने शर्मा के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली में बैठकर बाढ़ प्रभावित इलाके का दौरा किया क्योंकि बाढ़ आने के 18 दिन बाद भी सड़कों पर कीचड़ और गाद की मोटी परतें जमा हैं और इसी कारण सामान्य वाहनों का उस मार्ग से गुजर पाना संभव नहीं था। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''नगालैंड के मोन जिले से बहकर आने वाली नदी ने एक के बाद एक कई गांवों को तबाह कर दिया है। इससे जान-माल का भारी नुकसान हुआ है।'' उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें जमीनी हालात का जायजा लेने के लिए भेजा था और उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ बाढ़ के असर पर विस्तार से चर्चा की है।

फर्स्ट टेक

साल 2019 में भेदभावपूर्ण व्यवस्था समाप्त हुई : मनोज सिन्हा

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को केंद्रशासित प्रदेश का विशेष दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) द्वारा किए गए प्रदर्शनों को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने कोई प्रदर्शन नहीं देखा। सिन्हा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी के प्रदर्शनों के बारे में पूछे जाने पर एक पत्रकार से कहा, ''मैंने कोई (प्रदर्शन) नहीं देखा। अगर मैं देखूंगा तो आपसे (उस बारे) में बात करूंगा।'

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पूर्वाग्रह छोड़ें

क्या किसी एक दुर्घटना पर,
हम सबको दोषी कह डालें।
गलती तो कोई एक करे,
क्या बैर सभी से ही पालें।
ना धर्म जाति या वर्ग बुरे,
सबको ना इक साँचे ढालें।
जड़ताएं तज बन कर जहीन,
ऐसी सब स्थितियों को टालें।।

मार्क जुकरबर्ग ने भारत सरकार से मांगी माफी

नई दिल्ली। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने बुधवार को बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम), डीपफेक कंटेंट और ऑपरेटिंग सिस्टम में एरर को लेकर भारत सरकार से माफी मांगी है। यह जानकारी सरकारी सूत्रों की ओर से दी गई। सरकारी सूत्रों ने बताया कि मेटा को स्पष्ट कर दिया गया था कि वे मध्यस्थ की परिभाषा के अंतर्गत नहीं आते। वे ही तय करते हैं कि सामग्री किसे मिलेगी। आईटी एक्ट के तहत सेफ हार्बर उन पर लागू नहीं होता। उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ खास तरह की सामग्री को बढ़ावा देने के लिए बड़ी रकम का भुगतान किया गया था। उन्होंने माफी मांगी और अपनी गलती पर खेद व्यक्त किया।

इससे पहले सरकारी सूत्रों ने बताया था कि आईटी मंत्रालय ने मेटा समेत सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को स्पष्ट कर दिया है कि उन्होंने स्थानीय कानूनों का पालन करना होगा। साथ ही, संसदीय समिति ने फेसबुक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पोस्ट को कुछ समय के लिए ब्लॉक करने को लेकर मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग से तीन दिनों के भीतर बिना शर्त माफी मांगने को कहा था। अगर मेटा तय समय-सीमा के अंदर ऐसा नहीं कर पाता है, तो भारत में उसे मिलने वाली सेफ हार्बर प्रोटेक्शन खत्म हो सकती है।

प्रधानमंत्री का वीडियो गलत तरीके से हटाए जाने के मामले पर चर्चा करने के लिए मेटा के एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने राजधानी में आईटी सचिव एस. कृष्णन से मुलाकात की। अधिकारियों ने मौजूदा नियमों का सख्ती से पालन करने की जरूरत पर जोर दिया और प्लेटफॉर्म के कथित गलत इस्तेमाल की घटनाओं पर चिंता जताई, जिसमें प्रधानमंत्री की पोस्ट को मनमाने ढंग से हटाना भी शामिल है।

अनुच्छेद 370 को हटाने से जम्मू-कश्मीर में शांति और विकास का नया युग शुरू हुआ : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/श्रीनगर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कहा कि पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने से जम्मू-कश्मीर में एकता, समानता और विकास के एक नए युग की शुरुआत हुई और लंबे समय से लंबित एक राष्ट्रीय संकल्प को पूरा किया गया। ये बातें जम्मू स्थित पार्टी मुख्यालय में मुख्य प्रवक्ता सुनील सेठी की अध्यक्षता में आयोजित जम्मू-कश्मीर के भाजपा प्रवक्ताओं की बैठक में कही गईं। सेठी ने कहा, ''पांच अगस्त, 2019 का दिन जम्मू-कश्मीर के लिए एकता, समानता और विकास के एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक था।''

भाजपा के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में लिए गए इस फैसले ने भारत की एकता और अखंडता को मजबूत किया और साथ ही देश के बाकी हिस्सों के साथ जम्मू-कश्मीर के पूर्ण संवैधानिक और विकासात्मक एकीकरण को सुनिश्चित किया। उन्होंने कहा कि बैठक में इस बात को याद किया गया कि भाजपा दशकों से अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने की वकालत करती रही थी और यह फैसला एक राष्ट्र, एक संविधान' के सिद्धांत तथा जम्मू-कश्मीर के सभी नागरिकों के लिए समान अधिकारों और अवसरों के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रवक्ताओं ने पिछले छह वर्षों में केंद्र शासित प्रदेश में आए सकारात्मक बदलावों का भी जिक्र किया, जिनमें तेजी से हुआ अवसंरचना विकास, पारदर्शी शासन, मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाएं, बेहतर जन-कल्याण और समाज के सभी वर्गों तक केंद्रीय कानूनों और कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार शामिल है। उन्होंने राष्ट्रीय हित में एक साहसिक और ऐतिहासिक फैसला लेने के लिए प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और केंद्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। पार्टी ने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में जश्न मनाकर अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाए जाने की सातवीं वर्षगांठ मनाई।

श्रीनगर के जवाहर नगर इलाके में स्थित पार्टी कार्यालय में भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने इस मौके पर केक काटा। पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं ने पंथा चौक से लाल चौक सिटी सेंटर तक बाइक रैली निकालने की योजना बनाई थी, लेकिन पुलिस ने उन्हें लाल चौक की ओर जाने की इजाज़त नहीं दी और उन्हें पार्टी कार्यालय की ओर मोड़ दिया। भाजपा नेता अल्ताफ ठाकुर ने कहा कि पांच अगस्त जश्न का दिन था, क्योंकि इसने देश में दो संविधान और दो झंडों की व्यवस्था को खत्म कर दिया।

प्रश्नपत्र लीक राष्ट्रीय समस्या, झारखंड इस मुद्दे के समाधान के लिए गंभीर : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को कहा कि भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने का मामला सिर्फ राज्य का नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय समस्या है। सोरेन ने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार छात्रों की समस्याओं को हल करने के लिए प्रतिबद्ध है। सोरेन का बयान ऐसे समय में आया है, जब विधानसभा के बृहस्पतिवार से शुरू हो रहे मानसून सत्र से पहले आंदोलन तेज हो गया है।

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) सुधार मंच के बैनर तले पांच अन्य लोगों ने मंगलवार रात से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। इसके साथ ही अनशन पर बैठे लोगों की संख्या बढ़कर छह हो गई है।

सोरेन ने 'एक्स' पर लिखा, ''मेरे युवा दोस्तों की चिंताएं हमारे लिए बहुत गंभीर मामला है। कथित पेपर लीक सिर्फ झारखंड का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह देश भर के कई राज्यों के युवाओं के लिए एक बड़ी राष्ट्रीय समस्या बन गया है। हमारी सरकार इस मामले पर पूरी गंभीरता से काम कर रही है।''

उन्होंने कहा कि एजेंसियां दिन-रात जांच कर रही हैं और दोषियों को जेल भेजा जा रहा है। सोरेन ने कहा, हमारा मकसद सिर्फ जांच करना नहीं, बल्कि अपने युवा दोस्तों को पूरी तरह से समाधान देना है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''झारखंड सरकार के दरवाजे हमेशा खुले हैं।

कोई भी छात्र या अभ्यर्थी, जिसकी कोई मांग या सुझाव हो, वह राज्य सरकार के सामने अपनी बात रख सकता है। उनकी हर बात पूरी गंभीरता से सुनी जाएगी।'' सोरेन ने बताया कि उन्होंने दिन में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से भी मुलाकात की और उन्हें छात्रों के प्रदर्शन समेत राज्य के मौजूदा हालात के बारे में अवगत कराया। विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए सोरेन ने कहा, राज्य की जांच एजेंसियां इस मामले पर पूरी गंभीरता और तेजी से काम कर रही हैं। कई लोगों को पहले ही गिरफ़्तार कर जेल भेजा जा चुका है। जांच एजेंसियां छापेमारी भी कर रही हैं। मेरा मानना है कि आगे चलकर हम ठोस समाधान के लिए कोई फैसला लेंगे।यह पूछे जाने पर कि क्या केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से कोई बातचीत हुई है, मुख्यमंत्री ने कहा, अभी तक कोई बातचीत नहीं हुई है। अगर जरूरत पड़ी, तो हम उनसे भी इस मामले पर चर्चा करेंगे। झारखंड पीएससी और एसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में छात्र और नौकरी के अभ्यर्थी 25 जुलाई से रांची के जयपाल सिंह स्टेडियम में प्रदर्शन कर रहे हैं।

इस बीच, 'लोक भवन' के एक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री सोरेन ने भर्ती में कथित अनियमितताओं और छात्रों के हितों को प्राथमिकता देने के मुद्दे पर राज्यपाल से मुलाकात की।

अमेरिकी सांसद राइली मूर एफसीआरए विधेयक को लेकर अफवाह फैलाना बंद करें : विहिप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप)ने बुधवार को अमेरिकी सांसद राइली मूर की आलोचना करते हुए कहा कि वह विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) में प्रस्तावित संशोधनों को लेकर 'अफवाहें फैलाना' बंद करें। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध विहिप ने मूर पर ऐसे संगठनों का बचाव करने का आरोप लगाया जो कथित तौर पर विदेशी चंदे का दुरुपयोग करते हैं।

विहिप ने कहा कि अमेरिकी सांसद भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बंद करें। विहिप का यह बयान मूर द्वारा मंगलवार को की गई टिप्पणी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि एफसीआरए में प्रस्तावित संशोधनों से भारत सरकार को चर्च और धार्मिक परमार्थ संगठनों को अपने नियंत्रण में लेने की अनुमति मिल जाएगी और यह ईसाइयों पर सीधा हमला होगा। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता

विनोद बंसल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स'पर किये गए एक पोस्ट में मूर के दावों पर सवाल उठाए और उनसे प्रस्तावित कानून के उन प्रावधानों को बताने की चुनौती दी, जिनके आधार पर उन्होंने दावे किये थे। बंसल ने कहा, कृपया बताएं कि विदेशी अंशदान विनियमन (एफसीआरए) संशोधन विधेयक के कौन से प्रावधान भारत में चर्च और धार्मिक परमार्थ संस्थाओं को सरकार द्वारा अपने नियंत्रण में लेने की अनुमति देते हैं, जिन्हें ईसाइयों पर हमले के तौर पर देखा जा सकता है, या जो भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों में एक बड़ी चिंता का विषय बन सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन संशोधनों से वे लोग रुकेंगे जो परमार्थ कार्यों के नाम पर विदेश से चंदा तो लेते हैं, लेकिन उसका इस्तेमाल अवैध धर्मांतरण, भारत-विरोधी, डीप स्टेट' और देश को अस्थिर करने वाली राजनीतिक गतिविधियों के लिए करते हैं।

बंसल ने कहा, ''आपकी चिंता समझी जा सकती है। कृपया अफवाहें फैलाना बंद करें।'' विहिप प्रवक्ता ने अपनी पोस्ट में विदेश मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को टैग करते हुए उनसे ऐसे झूठों और दुष्प्रचार करने वालों पर ''नजर रखने'' की अपील की। सरकार द्वारा प्रस्तावित एफसीआरए संशोधन विधेयक, 2026 में एक ''नामित प्राधिकार'' बनाने का प्रावधान है। यह प्राधिकार जब किसी संगठन का एफसीआरए पंजीकरण रद्द किया जाएगा या संगठन लाइसेंस वापस सौंपेगा या नवीनीकरण नहीं कराएगा, तो उस स्थिति में उक्त संगठन को मिले विदेशी चंदे और उससे बनाई गई संपत्तियों का प्रबंधन करेगा।

विशाखापत्तनम आर्थिक क्षेत्र में 9.3 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करने का लक्ष्य

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश सरकार ने विशाखापत्तनम आर्थिक क्षेत्र (वीईआर) में नौ लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित करने का लक्ष्य रखा है। यहां जारी बयान में बुधवार को कहा गया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत राज्य सरकार 3.5 लाख करोड़ रुपये से चार लाख करोड़ रुपये तक का निवेश करेगी, जबकि निजी क्षेत्र से 5.3 लाख करोड़ रुपये तक का निवेश लाने की योजना है। वीईआर परियोजना के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में 9.3 लाख करोड़ रुपये तक का निवेश आने की उम्मीद है।

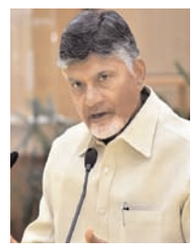

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने उंडावल्ली स्थित अपने कैंप कार्यालय में वीईआर विकास योजना की समीक्षा की। 'बे सिटी' परियोजना को इस क्षेत्र के विकास का प्रमुख आधार बनाकर राज्य सरकार वीईआर क्षेत्र का विकास करना चाहती है। नायडू ने कहा, ''वीईआर परियोजना का उद्देश्य सूक्ष्म स्तर की योजना के माध्यम से पूरे विशाखापत्तनम क्षेत्र का समग्र विकास करना है।'' बयान के अनुसार, विकास योजना में कृत्रिम मेधा (एआई), डेटा सेंटर पारिस्थितिकी तंत्र, बंदरगाह आधारित उद्योग, पर्यटन, हाइड्रोजन, स्वच्छ प्रौद्योगिकी तथा ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वीईआर का विकास मुलापेटा बंदरगाह से राजामहेंद्रवरम की अखंड गोदावरी परियोजना तक विस्तारित किया जाए।

सरकार प्रशिक्षण विमानों, सीप्लेन का विनिर्माण परिवेश तैयार करने में जुटी : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बुधवार को कहा कि सरकार प्रशिक्षण विमानों और समुद्री विमान (सीप्लेन) के लिए घरेलू विनिर्माण परिवेश विकसित करने के प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि नागर विमानन मंत्रालय देश में पायलट प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के साथ मिलकर उड़ान प्रशिक्षण संगठनों (एफटीओ) में बुनियादी ढांचा मजबूत करने पर चर्चा कर रहा है। वर्तमान में देशभर में 41 एफटीओ हैं जो 63 प्रशिक्षण केंद्र संचालित करते हैं।

नायडू ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में 11 एफटीओ को आशय पत्र प्रदान किए। ये संस्थान भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के सात हवाई अड्डों पर अपने प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार प्रशिक्षण विमानों और सीप्लेन के लिए विनिर्माण परिवेश विकसित करने की दिशा में भी काम कर रही है। इस अवसर पर नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि वर्ष 2035 तक देश को लगभग 25,000 अतिरिक्त पायलटों की आवश्यकता होगी। इसके लिए हर वर्ष करीब 2,500 वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस जारी करने होंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय विमानन कंपनियां आने वाले वर्षों में अपने बेड़े में लगभग 1,640 नए विमान शामिल करेंगी। इनमें से लगभग 500 विमान अगले पांच वर्षों में शामिल किए जाने का अनुमान है।

सात साल बाद भी जख्म नहीं भरे, राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा अधूरा : उमर अब्दुल्ला

जम्मू/श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि अनुच्छेद 370 निरस्त किए जाने के सात वर्ष बाद भी लोगों के ''जख्म'' नहीं भरे हैं और केंद्र सरकार द्वारा इस केंद्र शासित प्रदेश का राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा अब तक पूरा नहीं किया गया है। अब्दुल्ला ने कहा कि लोगों को उम्मीद थी कि राज्य का दर्जा बहाल होने से उनकी कम-से-कम कुछ शिकायतों और पीड़ाओं का अंत होगा।

पुंछ जिले की सुरनकोट तहसील में संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा, ''हमारे जख्म अभी तक नहीं भरे हैं। हमें उम्मीद थी कि हमारी कुछ पीड़ा कम होगी और राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा पूरा किया जाएगा। लेकिन आज पांच अगस्त 2019 को सात वर्ष पूरे हो गए हैं और वह वादा अब भी अधूरा है।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार ने पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त कर तत्कालीन जम्मू कश्मीर राज्य का विशेष संवैधानिक दर्जा समाप्त कर दिया था और उसका पुनर्गठन करते हुए उसे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख नामक दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा किया गया वादा अभी तक पूरा नहीं किया गया है और उनकी सरकार इस मुद्दे पर अपने रुख पर कायम है। उन्होंने कहा, ''जैसा कि हमने विधानसभा में प्रस्ताव पारित करते समय कहा था, हम अपने रुख पर दृढ़ हैं और हम अपने साथ हुए अन्याय के खिलाफ न्याय की मांग जारी रखेंगे।''

मानव-वन्यजीव संघर्ष से निपटने के लिए संतुलित दृष्टिकोण जरूरी : भूपेंद्र यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष की चुनौती से निपटने के लिए वैज्ञानिक प्रबंधन, संस्थागत समन्वय, प्रौद्योगिकी आधारित निगरानी और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी वाले संतुलित दृष्टिकोण की जरूरत है। यादव ने यह टिप्पणी पर्यावरण मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की बैठक में की। यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में लोगों और वन्यजीवों के बीच बचाव, जोखिम कम करने और दीर्घकालिक सह-अस्तित्व को मजबूत करने के लिए आवश्यक उपायों पर चर्चा की गई।

बैठक में समिति को तमिलनाडु के कोयंबटूर में मानव-वन्यजीव संघर्ष पर उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के बारे में जानकारी दी गई। यह केंद्र मानव-वन्यजीव संघर्ष के प्रभावी प्रबंधन के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, नीतिगत सहयोग, क्षमता निर्माण और समुदाय केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने वाला राष्ट्रीय संस्थान है। समिति ने 10 जुलाई को शुरू किए गए राष्ट्रीय मानव-वन्यजीव संघर्ष पोर्टल का भी उल्लेख किया। यह पोर्टल संघर्ष की घटनाओं को दर्ज करने, आंकड़ों के प्रबंधन, ज्ञान साझा करने और निर्णय लेने में सहायता के लिए एकीकृत डिजिटल मंच के रूप में काम करेगा। यादव ने जोर देकर कहा कि ये पहल आंकड़ों पर आधारित रणनीतियां तैयार करने, ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और राज्यों को बेहतर तौर-तरीके अपनाने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण संस्थागत ढांचा उपलब्ध कराएंगी। बैठक में असम, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधियों ने भी प्रस्तुतियां दीं।

फुकेत उड़ान मामला : अस्पताल में भर्ती 13 घायल यात्रियों को मिली छुट्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। थाईलैंड के फुकेत से दिल्ली आ रहे एअर इंडिया के विमान के मंगलवार सुबह वायुमंडलीय अस्थिरता (टर्बुलेंस) के कारण हवा में अपनी निर्धारित ऊंचाई से अचानक लगभग 300 फुट नीचे आने के कारण घायल हुए 17 यात्रियों में 13 को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। जबकि चालक दल के चार सदस्य अब भी उपचाराधीन हैं। एअर इंडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। विमान में कुल 137 यात्री और चालक दल के आठ सदस्य सवार थे। वायुमंडलीय अस्थिरता के कारण चोट लगने से मंगलवार को 13 यात्रियों और चालक दल (क्रू) के चार सदस्यों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

एअर इंडिया ने एक बयान में कहा, पांच अगस्त की दोपहर साढ़े तीन बजे तक फुकेत से दिल्ली आ रही उड़ान संख्या एआई2379 में हुए हादसे के बाद अस्पताल में भर्ती कराए गए सभी 13 यात्रियों को छुट्टी दे दी गई है। हालांकि, चालक दल के चार सदस्य अब भी डॉक्टरों की देखरेख में हैं और उनका इलाज जारी है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) इस पूरे मामले की जांच कर रहा है।

ईडी ने चिट फंड घोटाले में पूर्व विधायक मल्ला विजय प्रसाद से जुड़े परिसरों पर छापे मारे

भुवनेश्वर/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बहु-राज्यीय चिट फंड घोटाले के सिलसिले में आंध्र प्रदेश के पूर्व विधायक मल्ला विजय प्रसाद से जुड़े परिसरों में तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि ईडी के भुवनेश्वर क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा की जा रही धनशोधन जांच के तहत विशाखापत्तनम और हैदराबाद के सात स्थानों पर तलाशी ली गई।

अधिकारी ने बताया कि यह मामला लगभग 3,000 करोड़ रुपये के कथित चिट फंड घोटाले से संबंधित है। अधिकारियों ने बताया कि विशाखापत्तनम पश्चिम के पूर्व विधायक वेलफेयर बिल्डिंग एंड एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक थे और उनकी कंपनी ने कथित तौर पर वर्ष 2009 से 2014 के बीच ओडिशा और अन्य राज्यों के निवेशकों से विभिन्न निवेश योजनाओं के तहत अधिक मुनाफे का वादा कर राशि जुटाई, लेकिन बाद में भुगतान से मुकर गए। सीबीआई ने पहले कथित धोखाधड़ी के संबंध में कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। अधिकारियों ने बताया कि ओडिशा पुलिस ने भी कई प्राथमिकी दर्ज कराई थीं। उन्होंने बताया कि प्रसाद को 2021 में ओडिशा पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने विशाखापत्तनम से इस मामले में गिरफ्तार किया था और बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया था।

छात्रों के खिलाफ हिंसा के लिए शाह जिम्मेदार, संसद में जवाब देने का साहस नहीं : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) का प्रश्नपत्र लीक होने के विरोध में हाल में हुए आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले कुछ युवाओं से बुधवार को मुलाकात की और आरोप लगाया कि छात्रों के खिलाफ हुई हिंसा के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जिम्मेदार हैं। गांधी ने इन युवाओं के संग संवाददाताओं के साथ बातचीत में दावा किया कि गृह मंत्री में यह बुनियादी शिष्टाचार और साहस नहीं है कि 20 जुलाई को छात्रों के खिलाफ हुई ''हिंसा'' के मामले पर संसद में पहुंचकर जवाब दें। मुंबई की रिया अहीर, उत्तर प्रदेश की फरहा नाज, झारखंड की नूतन टप्पो तथा कुछ अन्य युवाओं से राहुल ने मुलाकात की। राहुल गांधी ने कहा, ''छात्रों के खिलाफ हुई हिंसा के लिए भारत के गृह मंत्री जिम्मेदार हैं। उनमें न तो संसद में आकर इस मुद्दे पर बोलने का शिष्टाचार है और न ही यह बताने का साहस कि आखिर क्या हुआ।'' उन्होंने कहा, ''इस मामले में दो ही संभावनाएं हो सकती हैं। पहली, उन्हें (शाह) यह जानकारी नहीं थी कि बच्चों के खिलाफ हिंसा हुई है। ऐसी स्थिति में वह अक्षम हैं। दूसरी, यदि उन्होंने बच्चों के खिलाफ पैलेट गन के इस्तेमाल का आदेश दिया, तो ऐसी स्थिति में वह दोषी हैं।''

राहुल गांधी ने कहा कि दोनों ही स्थितियों में गृह मंत्री जिम्मेदार हैं। उन्होंने दावा किया कि युवाओं ने उन्हें बताया कि उनके साथ मारपीट की गई, उन्हें प्रताड़ित किया गया और धमकियां दी गईं। उन्होंने कहा, मुझे इन युवाओं और उन हजारों नौजवानों पर गर्व है, जिन्होंने संविधान, भारत की अवधारणा और देश के भविष्य की रक्षा के लिए आवाज उठाई। शिक्षा व्यवस्था की खामियों और उसकी विफलताओं के खिलाफ आवाज उठाना कोई अपराध नहीं है।

अकासा एयर को सुरक्षा संबंधी जानकारी देने वाली अपनी व्यवस्था पर गर्व : सीईओ दुबे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अकासा एयर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय दुबे ने बुधवार को कहा कि कंपनी को बारीकी से रिकॉर्ड रखने वाली अपनी मजबूत सुरक्षा संबंधित जानकारी देने की व्यवस्था पर गर्व है। एयरलाइन ने वर्ष 2026 की पहली छमाही के दौरान उड़ान परिचालन से संबंधित 152 बड़ी खामियां दर्ज की थीं। नागर विमानन मंत्रालय ने तीन अगस्त को राज्यसभा में बताया था कि इस वर्ष जून तक की अवधि में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ान परिचालन में कुल 352 महत्वपूर्ण तकनीकी खामियां दर्ज की गईं। इनमें से 152 खामियां अकासा एयर से संबंधित थीं।

एयरलाइन में बड़ी खामियों की संख्या अधिक होने के बारे में पूछे

जाने पर दुबे ने साक्षात्कार में कहा कि यह आंकड़ा अकासा एयर की सुरक्षा संबंधित जानकारी व्यवस्था और हर घटना का पूरी तरह दस्तावेजीकरण करने की कार्यप्रणाली को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जब भी किसी विमान में किसी पुर्जे को बदला जाता है, तो उसे महत्वपूर्ण तकनीकी खामी के रूप में दर्ज किया जाता है। दुबे ने बताया कि वर्ष 2026 की पहली छमाही के दौरान अकासा एयर के बेड़े में 30 से अधिक बोइंग 737 मैक्स विमान शामिल थे। उन्होंने कहा कि एक अन्य एयरलाइन के पास भी इससे अधिक संख्या में ऐसे विमान हैं। उन्होंने कहा, ''इन तुलनात्मक आंकड़ों को देखकर मैं बेहद खुश हूं। अकासा एयर अपनी सुरक्षा और सुरक्षा संबंधी जानकारी व्यवस्था पर गर्व करती है और यह आंकड़ा उसी का प्रतिबिंब है।'' मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2026 की पहली छमाही में दर्ज 352 महत्वपूर्ण तकनीकी खामियों में से 53 मामले एयर इंडिया एक्सप्रेस, 47 इंडिगो, 46 एयर इंडिया और नौ स्पाइसजेट के उड़ान परिचालन से संबंधित थे।

टीवीके सरकार का पहला बजट पेश

महिलाओं की योजनाओं के लिए 1,300 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के वित्त मंत्री एन. मैरी विल्सन ने बुधवार को विधानसभा में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार का पहला बजट पेश किया और मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की कई पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार ने कुछ दलों और व्यक्तियों को निविदाओं में मिलने वाले 'कट' (कमीशन) की प्रथा समाप्त कर दी है। सरकार ने टीवीके के प्रमुख चुनावी वादों में शामिल दो स्वर्ण सहायता योजनाओं के लिए 1,300 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है। साथ ही, राज्य को 'वित्तीय संकट' से बाहर निकालने के लिए कई कदम उठाने का दावा किया।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को समाप्त करने की मांग दोहराते हुए विल्सन ने केंद्र सरकार से 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर प्रवेश की पुरानी व्यवस्था बहाल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि महिला लाभार्थियों के लिए सोने के सिक्के एवं 'रेशमी साड़ी योजना' के तहत 812 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस योजना के तहत विवाह के समय दुल्हनों को आठ ग्राम सोना और एक रेशमी साड़ी दी जाएगी। सरकार ने सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं के लिए 'स्वर्ण अंगूठी योजना' के लिए 560 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। यह विजय के नेतृत्व वाली टीवीके का एक चुनावी वादा था। वहीं, वेट्री मडिकिनिनी थिट्टम' के तहत कॉलेज के छात्रों को लैपटॉप देने की योजना के लिए 2,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि हज समिति के माध्यम से पहली बार हज यात्रा पर जाने वाले लोगों के लिए सब्सिडी 25,000 रुपये से बढ़ाकर 35,000 रुपये की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य को 'वित्तीय संकट' से बाहर निकालने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं।

टीवीके सरकार ने पहले राज्य की वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र जारी किया था, जिसमें बकाया कर्ज लगभग 10 लाख करोड़ रुपये बताया गया था। विल्सन ने कहा कि मुख्यमंत्री विजय ने कुछ दलों और लोगों के लिए निविदाओं में 'कट' की व्यवस्था समाप्त कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि राजस्व सीधे सरकारी खजाने तक पहुंचे, इसके लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता समेत कई सुधारात्मक पहल का भी उल्लेख किया।

वित्त मंत्री ने 'पल्ली निरैवु थिट्टम' के तहत स्कूलों के आधुनिकीकरण की योजना की घोषणा की और चालू वर्ष के लिए 300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के. कामराज के नाम पर नौवीं से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए अति-आधुनिक सरकारी आवासीय विद्यालय योजना हेतु 125 करोड़ रुपये का प्रावधान किया। वहीं, 'नशा मुक्त तमिलनाडु' योजना के लिए सात करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। विल्सन ने टीवीके सरकार की अन्य पहल का भी उल्लेख किया, जिनमें 717 शराब की दुकानों को बंद करना और घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना शामिल है। उन्होंने महिलाओं के सशक्तीकरण, सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने और सभी के लिए आवास जैसी दूरदर्शी योजनाओं की भी रूपरेखा प्रस्तुत की। संशोधित बजट अनुमान 2026-27 में राजस्व घाटा 55,775 करोड़ रुपये और राजकोषीय घाटा 1,21,819 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का तीन प्रतिशत है। सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान 1,73,445 करोड़ रुपये का ऋण लेने और 51,971 करोड़ रुपये के ऋण का भुगतान करने की योजना बनाई है। 31 मार्च, 2027 तक राज्य की कुल देनदारियां 10,98,768 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का 27.01 प्रतिशत होगी। बजट में स्कूल शिक्षा विभाग को सबसे अधिक 44,527 करोड़ रुपये का आवंटन मिला है। इसके बाद ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज विभाग को 39,609 करोड़ रुपये दिए गए हैं। नगर प्रशासन और जल आपूर्ति विभाग को 29,863 करोड़ रुपये, जबकि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को 23,357 करोड़ रुपये आवंटित किए गए।

वित्त सचिव एम.ए. सिद्दीक ने कहा कि इस बजट में कल्याणकारी योजनाओं और पूंजीगत व्यय के बीच संतुलन बनाया गया है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण और शिक्षा पर होने वाला व्यय निवेश है तथा सरकार ने किसी भी मौजूदा कल्याणकारी योजना में कटौती नहीं की है। विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर इस वर्ष 15,000 करोड़ रुपये से 18,000 करोड़ रुपये के बीच खर्च होने का अनुमान है।

जनता के पैसे को छूने वालों को बख्शा नहीं जाएगा : तमिलनाडु के वित्त मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के वित्त मंत्री एन. मैरी विल्सन ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय भ्रष्टाचार-मुक्त और पारदर्शी शासन सुनिश्चित करने के अपने संकल्प पर अडिग हैं और राजस्व जुटाने के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं। राज्य विधानसभा में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार का पहला बजट (2026-27 के लिए संशोधित अनुमान) पेश करते हुए मंत्री ने अपने संबोधन में भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इस संकल्प पर अडिग हैं। उन्होंने कहा, ''हम जनता के कर की रकम का एक पैसा भी नहीं छुएंगे। हम किसी को भी इसे छूने नहीं देंगे। अगर किसी ने इसे छुआ, तो हम उन्हें बख्शेंगे नहीं। जिन्होंने अतीत में इसे छुआ है, उन्हें भी हम नहीं छोड़ेंगे।''

विल्सन ने कहा कि मुख्यमंत्री इस संकल्प पर पूरी तरह अडिग हैं और उन्हें देखकर या उनका नाम सुनकर हम हर दिन भ्रष्ट लोगों को डरकर भागते हुए देखते हैं''। उन्होंने आरोप लगाया कि ''टीवीके के सत्ता संभालने से पहले, निविदाओं की अनुमानित राशि का एक बड़ा हिस्सा कुछ चुनिंदा लोग और कुछ ''राजनीतिक दल हथिया'' लेते थे। विल्सन ने कहा, मुख्यमंत्री ने इस प्रथा को पूरी तरह से खत्म करके एक बेमिसाल उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने ''बहु-मंजिला और ऊंचे अपार्टमेंट के लिए योजना की मंजूरी लेने की सरकारी स्तर की पुरानी प्रक्रिया को भी बदल दिया है।'' अब ये स्वीकृतियां शक्तियों के विकेन्द्रीकरण (प्रत्यायोजन) के माध्यम से चेन्नई महानगर विकास प्राधिकरण (सीएमडीए) से ही प्राप्त की जा सकती हैं, जिससे पिछली प्रक्रिया में व्याप्त भ्रष्टाचार समाप्त हो गया है। पूर्ववर्ती द्रमुक सरकार मई 2021 से मई 2026 तक राज्य की सत्ता में रही।

वहीं, विल्सन ने मुख्यमंत्री की तारीफ करते हुए उन्हें ''सच्चा जननायक'' बताया। वित्तमंत्री ने कहा, ''उन्होंने कई साजिशों का सामना करते हुए ऐतिहासिक जीत हासिल की। ऐसा उन्होंने सिर्फ उन लोगों के लिए किया जिन्हें वे अपनी जान से ज्यादा प्यार करते हैं और जो उन्हें अपना मानते हैं। आज वह इस सदन में एक सच्चे 'जननायकन' के तौर पर मौजूद हैं।'' हाल में मुख्यमंत्री की फिल्म 'जननायकन' प्रदर्शित हुई है जिसका अर्थ होता है 'जनता का नेता'। इस दौरान विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अन्य प्रमुख नेता भी सदन में अपने स्थान पर बैठे थे। उदयनिधि को तीन अगस्त को गिरफ्तार किया गया था और बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया था। मंत्री ने कहा कि विजय लगातार उनका मार्गदर्शन करते हैं, सलाह देते हैं और राज्य की जनता को अच्छा शासन देने के एकमात्र मकसद के साथ अथक प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा, मैं लोगों के चहेते नेता का दिल से आभार व्यक्त करता हूं।

तमिलनाडु बजट : एचआरएंडसीई के लिए 708 करोड़ रुपये आवंटित

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु सरकार ने बुधवार को 2026-27 के संशोधित बजट में एचआरएंडसीई विभाग के लिए 708 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की। विधानसभा में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री एन. मैरी विल्सन ने बताया कि राज्य सरकार ने अगले पांच वर्षों में 3,000 मंदिरों के 'जीर्णोद्धार और प्रतिष्ठापन' कराने की व्यापक योजना बनाई है। राज्य की प्राचीन स्थापत्य धरोहर के संरक्षण के लिए एक हजार वर्ष से अधिक पुराने 213 मंदिरों के जीर्णोद्धार और संरक्षण पर 418 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। विभाग 250 मंदिर कुंड का पुनरुद्धार करेगा और 75 लकड़ी के मंदिर रथों की भी मरम्मत कराएगा। सरकार ने श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए अधिक संख्या में भक्तों वाले मंदिरों में सुरक्षित पेयजल, शौचालय, स्नानघर और ठहरने की सुविधाओं का भी उन्नयन करने की घोषणा की। सरकार ने धार्मिक स्थलों की प्रशासनिक जरूरतों पर बताया कि पद संभालने के तुरंत बाद ही 9,205 मंदिरों में न्यासियों की नियुक्ति के लिए सूचना जारी कर दी गयी थीं और इन नियुक्तियों को पूरा करने की प्रक्रिया अभी जारी है। एचआरएंडसीई विभाग में कई तरह के ढांचागत सुधारों के साथ-साथ, वित्त मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सरकार राज्य के मंदिरों की चल और अचल संपत्तियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है।

टीवीके सरकार के पहले बजट में 'जेन जेड' के लिए ब्रांडेड साइकिल, एआई कौशल प्रशिक्षण की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके)-नीत सरकार ने अपने पहले बजट में 'जेन जेड' को ध्यान में रखते हुए कई विशेष योजनाओं की घोषणा की है। इनमें ब्रांडेड साइकिलों का वितरण, युवाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का कौशल प्रशिक्षण और शहरी क्षेत्रों में विशेष आवास उपलब्ध कराने जैसी पहल शामिल हैं।

'जेन जेड' छात्रों के लिए घोषित प्रमुख पहलों में से एक योजना ब्रांडेड साइकिल देने की है। इसके तहत सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के कक्षा 11 के करीब 5.32 लाख विद्यार्थियों को हेलमेट और पानी की बोतल के साथ आधुनिक ब्रांडेड साइकिल दी जाएंगी। इस योजना के लिए 277 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

विधानसभा में वर्ष 2026-27 का बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री एन. मैरी विल्सन ने 'वेट्री लैपटॉप योजना' की घोषणा की। इस योजना के लिए 2,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, ताकि कॉलेज के छात्रों को डिजिटल शिक्षा के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए जा सकें।

उन्होंने कहा कि तकनीकी विशेषज्ञता को और मजबूत करने के लिए आईआईटी मद्रास जैसे प्रमुख संस्थानों के सहयोग से 'एआई उद्योग विकास कार्यक्रम' शुरू किया जाएगा। वहीं, छात्रों और युवा पेशेवरों की आवास संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने तमिलनाडु छात्र आवास एवं अवसंरचना निगम (टीएनएसएचआईसी) के

टीवीके सरकार के पहले बजट की विपक्ष ने संयुक्त रूप से कड़ी आलोचना की

चेन्नई। तमिलनाडु की तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार की ओर से बुधवार को पेश किए गए पहले बजट की विपक्ष ने संयुक्त रूप से कड़ी आलोचना की है। विपक्षी नेताओं ने एक सुर में कहा कि यह बजट मुख्य चुनावी वादों को पूरा करने के बजाय मौजूदा योजनाओं के नाम बदलने पर अधिक केंद्रित है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक), अन्नाद्रमुक, डीएमडीके, पीएमके और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) जैसे विपक्षी दलों ने चुनाव घोषणापत्र के अहम वादों पर सरकार की चुप्पी, राज्य पर बढ़ते कर्ज और कृषि एवं स्कूली शिक्षा जैसे जरूरी क्षेत्रों के लिए कम बजट आवंटन पर गहरी निराशा जताई।

नेता प्रतिपक्ष एवं द्रमुक के नेता उदयनिधि स्टालिन ने बजट और सरकार के शुरुआती 100 दिनों को पूरी तरह नाकाम करार दिया। उन्होंने टीवीके सरकार पर पिछली द्रमुक सरकार की योजनाओं पर सिर्फ 'अपन स्टिकर' चिपकाने का आरोप लगाया। उदयनिधि ने कहा, ''उन्होंने बदलाव का वादा किया था, लेकिन उन्होंने जो एकमात्र बदलाव किया है, वह हमारी योजनाओं का नाम बदलना है।'' उदयनिधि ने आरोप लगाया कि 'अंबु चोलाई' का नाम बदलकर 'एल्डरली सेंटर्स' (बुजुर्ग केंद्र) कर दिया गया है और द्रमुक सरकार की आवास योजना 'कलैगनार कनावु इल्लम' अब 'वेट्री वीडु' हो गई है। उन्होंने स्कूली शिक्षा के लिए बजट को पिछली द्रमुक सरकार के 48,500 करोड़ रुपये से घटाकर 44,500 करोड़ रुपये करने के लिए भी सरकार की कड़ी आलोचना की। इसके अलावा उन्होंने तंजावुर में विरोध कर रहे किसानों के खिलाफ पुलिस की हालिया कार्रवाई की भी कड़ी निंदा की।

अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने भी इन विचारों से सहमति जताते हुए बजट को नाकाफी' करार दिया। उन्होंने राज्य की चिंताजनक आर्थिक स्थिति पर जोर देते हुए बताया कि कुल कर्ज बढ़कर 10.98 लाख करोड़ रुपये हो गया है, राजस्व घाटा 55,785 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है और राजकोषीय घाटा 1.21 लाख करोड़ रुपये है। पलानीस्वामी ने कहा, इस सरकार के सत्ता संभालने के बाद से 85 दिनों में एक भी नई योजना शुरू नहीं की गई है।

मुल्लापेरियार बांध के मुद्दे पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से बातचीत पर कर रहे विचार : सतीशन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने बुधवार को कहा कि वह लंबे समय से लंबित मुल्लापेरियार बांध के मुद्दे पर तमिलनाडु के अपने समकक्ष सी. जोसेफ विजय के साथ बातचीत करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। केरल के मुख्यमंत्री ने यह बयान ऐसे समय दिया है, जब दोनों राज्यों के अधिकारियों के बीच इस मुद्दे पर पहले ही बातचीत हो रही है। केरल के मुख्यमंत्री ने तमिलनाडु की ओर से करीब एक सदी पुराने बांध में पानी का स्तर बढ़ाने की योजना की खबरों को लेकर संवाददाताओं की ओर से पूछे गए सवालों पर कहा कि यह मामला अब भी विवाद का विषय बना हुआ है। उन्होंने कहा, ''अधिकारियों के स्तर पर बातचीत पहले से जारी है। हम मुख्यमंत्री स्तर पर भी बैठक करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं।''

मुल्लापेरियार बांध का निर्माण 1895 में किया गया था और लंबे समय से यह तमिलनाडु और केरल के बीच विवाद का कारण बना हुआ है। तमिलनाडु के पास इस बांध का स्वामित्व है, जबकि यह केरल में स्थित है। तमिलनाडु का रुख है कि बांध बनावट के लिहाज़ से सुरक्षित है और उसने जल स्तर बढ़ाने की कोशिश की है, वहीं केरल ने बार-बार इस सौ साल पुराने ढांचे की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है और मौजूदा बांध के पास एक नया बांध बनाने की मांग कर रहा है।

मद्रास हाईकोर्ट ने पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी और उनके भाई की जमानत की शर्तों में ढील दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी और उनके भाई अशोक कुमार को अग्रिम जमानत की शर्तों में ढील दी है। इन शर्तों के तहत उन्हें एक मामले में जांच अधिकारी के सामने दिन में दो बार पेश होना पड़ता था। यह मामला टीवीके के एक विधायक को हॉर्स-ट्रेडिंग के जरिए लुभाने की कथित कोशिश से जुड़ा है। जस्टिस जीके इलंथिरायण ने सेंथिल बालाजी और अशोक कुमार की उन याचिकाओं पर यह आदेश दिया, जिनमें अग्रिम जमानत देते समय लगाई गई शर्तों में बदलाव की मांग की गई थी। यह मामला ट्रिप्लिकेन पुलिस ने तब दर्ज किया था जब आरोप लगे कि कथित तौर पर 'हॉर्स-ट्रेडिंग' की कोशिश के तहत कृष्णगिरि जिले के उथंगराई विधानसभा क्षेत्र से टीवीके विधायक इलैयाराजा को फुसलाने या मनाने की कोशिश की गई थी।

जांच के सिलसिले में, ट्रिप्लिकेन पुलिस ने सेंथिल बालाजी और उनके भाई को पूछताछ के लिए पेश होने का समन जारी किया था। समन मिलने के बाद, इस मामले में गिरफ्तारी की आशंका के चलते दोनों ने अग्रिम जमानत के लिए मद्रास हाई कोर्ट का रुख किया। अग्रिम ज़मानत देते समय, जस्टिस इलंथिरायण ने एक शर्त रखी थी कि दोनों याचिकाकर्ताओं को हर दिन दो बार,सुबह 10.30 बजे और शाम 5.30 बजे जांच अधिकारी के सामने पेश होना होगा। इसके बाद से वे पुलिस के पास जाकर और अटेंडेंस रजिस्टर पर हस्ताक्षर करके इस निर्देश का पालन कर रहे थे। इसके बाद में सेंथिल बालाजी और अशोक कुमार ने हाई कोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं दायर करके रिपोर्टिंग की शर्त में ढील देने की मांग की। जब याचिकाओं पर सुनवाई हुई, तो दोनों भाइयों की ओर से पेश वकील ने कोर्ट को बताया कि चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली एक डिवीजन बेंच ने इस मामले में ट्रिप्लिकेन पुलिस द्वारा की जा रही पूरी जांच पर रोक लगा दी है। जांच पर रोक को देखते हुए, याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि उन्हें दिन में दो बार जांच अधिकारी के सामने पेश होने की शर्त जारी रखने का कोई औचित्य नहीं है। इसलिए उन्होंने अटेंडेंस की शर्त से पूरी तरह छूट मांगी। इस दलील को मानते हुए, जस्टिस इलंथिरायण ने सेंथिल बालाजी और अशोक कुमार को हर दिन 10.30 बजे और शाम 5.30 बजे पुलिस स्टेशन में पेश होने की शर्त से मुक्त कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि इस छूट का मतलब यह नहीं कि अगर जरूरत पड़ने पर जांच एजेंसी उनसे पूछताछ नहीं कर सकती। जज ने स्पष्ट किया जांच से जुड़े आदेशों के दायरे में रहते हुए, पुलिस सेंथिल बालाजी और अशोक कुमार को समन जारी करने और जरूरत पड़ने पर पूछताछ के लिए उन्हें बुलाने के लिए स्वतंत्र होगी।

टाटा प्रोजेक्ट्स को चेन्नई की वाणिज्यिक परियोजना के लिए आरएमजेड से 670 करोड़ रुपये का ठेका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। टाटा प्रोजेक्ट्स को रियल एस्टेट मंच आरएमजेड से तमिलनाडु के चेन्नई में एक वाणिज्यिक परियोजना के मुख्य सिविल कार्यों के लिए 670.24 करोड़ रुपये का ठेका मिला है।

कंपनी ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि इस अनुबंध के तहत वह परियोजना के मुख्य भवन ढांचे का निर्माण करेगी। इसके तहत सिविल, संरचनात्मक और वास्तु संबंधी कार्यों के अलावा चिनाई, प्लास्टर, जलरोधन (वॉटरप्रूफिंग), साझा क्षेत्रों की फिनिशिंग, बेसमेंट का फर्श, अग्निरोधी दरवाजे, बाहरी फिनिशिंग और पेंटिंग का कार्य भी किया जाएगा।

बयान के अनुसार, यह परियोजना चेन्नई में आरएमजेड के परियोजना पोर्टफोलियो में नया जुड़ाव है। टाटा प्रोजेक्ट्स देश की अग्रणी प्रौद्योगिकी-आधारित इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) कंपनियों में शामिल है।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए **दिनांक 20.08.2026 को 15.00 बजे** तक खुली ई-निविदा आमंत्रित करते है :- **निविदा संख्या** : 123 **कार्य का नाम व स्थान** : सहायक मंडल इंजीनियर/लाईन, बीकानेर के क्षेत्राधिकार में कोलायत-फलोदी खण्ड में 60 केजी आर260 से 21.465 ट्रैक किमी. टीआरआर/पी का कार्य करना। **अनुमानित लागत मूल्य** : Rs. 32948301.49 **धरोहर राशि** : Rs. 659000.00 **निविदा संख्या** : 124 **कार्य का नाम व स्थान** : वरि. मंडल इंजीनियर/पश्चिम, बीकानेर के क्षेत्राधिकार में सूरतगढ़-लालगढ़ खण्ड में 6.506 ट्रैक किमी. सीटीआर/पी तथा सूरतगढ़-सरूपसर खण्ड में 7.368 ट्रैक किमी. सीटीआर/पी का कार्य करना। **अनुमानित लागत मूल्य** : Rs. 87085009.83 **धरोहर राशि** : Rs. 1741700.00 **निविदा संख्या** : 125 **कार्य का नाम व स्थान** : सहायक मण्डल इंजीनियर/लाईन, बीकानेर के अधीन बैलास्ट डिपो बाप में आरडीएसओ ट्रेक बैलास्ट स्पेशिफिकेशन आइएस/आरडीएसओ-जी ई/0001:2023 फरवरी-2023 के अनुसार 65 मिमी गेज मशीन द्वारा तोड़ी गयी रोड़ी गई 124700 घनमीटर रोड़ी की सप्लाई करना और उसकी रेलवे वैगनस/होपरस में लदाई का कार्य। **अनुमानित लागत मूल्य** : Rs.136525878.86 **धरोहर राशि** : Rs. 2730500.00 **निविदा संख्या** : 126 **कार्य का नाम व स्थान** : सहायक मंडल इंजीनियर, हनुमानगढ़-प्रथम के नियंत्रण में वरि. मंडल इंजीनियर/उत्तर के क्षेत्राधिकार में शीतकालीन पैट्रोलिंग के लिए पैट्रोलमैन की आउटसोर्सिंग करना। **अनुमानित लागत मूल्य** : Rs. 4236451.51 **धरोहर राशि** : Rs. 84700.00 **निविदा संख्या** : 127 **कार्य का नाम व स्थान** : जोन नं. 7बी-सहायक मंडल इंजीनियर, उ.प. रेलवे, हनुमानगढ़-द्वितीय के अधीन हनुमानगढ़-द्वितीय उपमंडल पर क्वार्टरों का जोनल कार्य। **अनुमानित लागत मूल्य** : Rs. 38844551.26 **धरोहर राशि** : Rs. 776900.00 **निविदा संख्या** : 128 **कार्य का नाम व स्थान** : जोन नं. 7ए-सहायक मंडल इंजीनियर, उ.प. रेलवे, हनुमानगढ़-द्वितीय के अधीन हनुमानगढ़-द्वितीय उपमंडल पर सर्विस इमारतों का जोनल कार्य। **अनुमानित लागत मूल्य** : Rs. 34209673.08 **धरोहर राशि** : Rs. 684200.00 **नोटः**- अन्य शर्तें रेलवे की वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। ***1130-DI/26***

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

राज्यसभा में मद्रास उच्च न्यायालय नाम बदलने की अन्नाद्रमुक ने उठायी मांग

नई दिल्ली/चेन्नई। राज्यसभा में बुधवार को अन्नाद्रमुक के नेता डा. एम थंबीदुरै ने मद्रास उच्च न्यायालय का नाम बदलकर तमिलनाडु पर करने की मांग करते हुए कहा कि 2016 में तमिलनाडु विधानसभा ने इस बारे में केंद्र से अनुरोध करते हुए एक प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया था। उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान यह मांग उठाते हुए अन्नाद्रमुक सांसद ने कहा कि यह तमिलनाडु के लोगों की पुरानी और आम सहमति वाली आकांक्षा है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की राजधानी मद्रास का नाम तीन दशक पहले बदलकर चेन्नई किया गया था। उन्होंने कहा कि बहरहाल, उच्च न्यायालय का नाम अभी तक मद्रास उच्च न्यायालय है जो औपनिवेशिक युग की याद दिलाता है और इसमें राज्य के लोगों की आकांक्षा परिलक्षित नहीं होती है।

तत्कालीन अन्नाद्रमुक सरकार के समय तमिलनाडु विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित

अन्नाद्रमुक सदस्य ने कहा कि अगस्त 2016 में, दिवंगत जयललिता के नेतृत्व में किया था जिसमें केंद्र सरकार से मद्रास उच्च न्यायालय का नाम बदलकर 'चेन्नई उच्च न्यायालय' करने के बजाय 'तमिलनाडु उच्च न्यायालय' करने का आग्रह किया गया था। थंबीदुरै ने कहा कि उच्च न्यायालय का अधिकार पूरे तमिलनाडु राज्य पर है, न कि केवल चेन्नई शहर तक सीमित है इसलिए मद्रास उच्च न्यायालय का नाम 'तमिलनाडु उच्च न्यायालय' किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मदुरै में भी उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ है, इसलिए इसे केवल चेन्नई का नाम देना ठीक नहीं लगता। उन्होंने कहा कि 1996 में मद्रास शहर का नाम बदलकर चेन्नई कर दिया गया था, लेकिन अन्नाद्रमुक लगातार यह मांग करती रही है कि अन्य राज्यों की तरह इसका नाम भी राज्य के नाम यानी तमिलनाडु पर होना चाहिए। उन्होंने आसन के माध्यम से केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि राज्य के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करते हुए मद्रास उच्च न्यायालय का नाम बदला जाए।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, उपरे, अजमेर, भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से ई-निविदा सं 42265820 दिनांक 01.08.2026 को, जिसकी बंद होने की तारीख 31.08.2026 को 14.25 बजे तक रहेगी, आमंत्रित कर रहे है, निविदाकार निविदा बंद होने की तारीख एवं समय तक ही अपनी मूल/संशोधित निविदा प्रस्तुत कर पाएंगे, मैन्युअल (ई-निविदा के अलावा) प्रस्ताव इस निविदा के विरुद्ध मान्य नहीं होंगे, इस तरह के मैन्युअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा। **आपूर्ति का विवरण** : 1. RADIATOR ASSEMBLIES FOR CUMMINS MAKE DIESEL ENGINE CPCB-I, PART NO. -4959063. 2. RADIATOR ASSEMBLIES FOR CUMMINS MAKE DIESEL ENGINE CPCB-II, PART NO. - 4368719. 3. RADIATOR ASSEMBLIES FOR CUMMINS MAKE DIESEL ENGINE CPCB-II, PART NO. - 5530964. **मात्रा** : 10 Nos. **निविदा प्रस्तुत करने की दिनांक एवं समय** : ई निविदा को 31.08.2026 को 14.25 बजे तक प्रस्तुत किया जा सकता है। **वेबसाइट** : **www.ireps.gov.in** ***1129-DI/26***

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

अंगदान के प्रति जागरूकता को प्रदेश में आगे बढ़ाया जाएगा : गजेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि अंगदान जीवनदान है और यह करुणा और सेवा का सच्चा उदाहरण है क्योंकि अंगदान का निर्णय अनेक परिवारों को नया जीवन और नई आशा देता हैं। एक व्यक्ति अंगदान से 8-9 लोगों को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात के 131वें एपिसोड में भी अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया है। हम सबका दायित्व है कि अंगदान के प्रति जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाए। खींवसर बुधवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज के सभागार में राष्ट्रीय अंगदान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने अंगदान का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि आज देश में आधार सत्यापित अंगदान प्रतिज्ञाओं का आंकड़ा 5 लाख से अधिक हो चुका है। जिसमें राजस्थान वासियों का योगदान 1.41 लाख से अधिक है। आज अंग प्रत्यारोपण की कुल संख्या में भारत, अमेरिका और चीन के बाद विश्व में तीसरे स्थान पर है।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि यह उन दिवंगत अंगदाताओं के प्रति गहरी कृतज्ञता का परिणाम है कि जिनके निस्वार्थ निर्णयों ने राष्ट्र को प्रेरित किया है और भारत के अंगदान आंदोलन को मजबूत बनाया है। अंगदान के प्रति समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने की आवश्यकता है। अंगदान करने वाले दाताओं और उनके परिजनों का सम्मान परे समाज को करना चाहिए। उन्होंने नई दिल्ली में 3 अगस्त को अंगदान संकल्प के मामले में राजस्थान को प्रथम स्थान पर सम्मानित करने पर पूरी टीम को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर मेडिकल कॉलेज में अंगदान के लिए अलग से यूनिट का गठन किया गया है। साथ ही, 181 हेल्पलाइन पर अंगदान के संबंध में जानकारी ली जा सकती है। कोई भी व्यक्ति चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के पोर्टल पर जाकर अंगदान की शपथ ले सकता है और संकल्प पत्र दे सकता है। राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (छजढढज) के पोर्टल पर भी अंगदान की शपथ ऑनलाइन ली जा सकती है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत भी अंग प्रत्यारोपण की निःशुल्क सुविधा प्रदेश के नागरिकों को उपलब्ध है। हमारा प्रयास है कि अंगदान के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों का जीवन बचाया जा सके।

खींवसर ने कहा कि हमारे अंगदाता परिवार मानवता की सबसे जीवंत मिसाल हैं। जब कोई अपना इस दुनिया से जाता है, तो उस असीम दुख के क्षण में भी दूसरों को जीवन देने का फैसला करना कोई साधारण बात नहीं है। आपका यह एक फैसला किसी के घर का बुझता हुआ चिराग रोशन कर देता है। आपके इस सर्वोच्च त्याग और साहस को मैं पूरे राजस्थान की जनता की तरफ से शीश झुकाकर नमन करता हूँ। आप हमारे असली नायक हैं। उन्होंने कहा कि आज हमारे बीच हमारे वो ट्रांसप्लांट एथलीट्स भी मौजूद हैं, जिन्होंने न सिर्फ नई जिंदगी पाई, बल्कि खेल के मैदान में मेडल जीतकर राजस्थान का नाम रोशन किया है। आपके ये मेडल सिर्फ खेल की जीत नहीं हैं, ये चिकित्सा विज्ञान की सफलता और एक अंगदाता के जीवित संकल्प के प्रतीक हैं। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि अंगदान आसान नहीं है, यह बड़ा निर्णय होता है। यह जीवन बचाता है, नई जिंदगी देने से बड़ा कोई दान नहीं है। भारत सरकार ने 16वें भारतीय अंगदान दिवस के अवसर पर 3 अगस्त, 2026 से वर्षभर चलने वाले 'जुग-जुग जियो अभियान' का शुभारम्भ किया है। इस अभियान का संदेश अत्यंत प्रेरणादायक है 'अंगदाता का जीवन उसके द्वारा दान किए गए अंगों एवं ऊतकों के माध्यम से सदैव जीवित रहता है।' राजस्थान सरकार इस राष्ट्रीय अभियान को पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा रही है।

श्रीमती राठौड़ ने कहा कि राष्ट्रीय डिजिटल ऑर्गन डोनेशन प्रतिज्ञा अभियान के दौरान राजस्थान ने पूरे देश में सर्वाधिक डिजिटल अंगदान प्रतिज्ञाएँ दर्ज कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। केवल एक ही दिन में 9,336 डिजिटल प्रतिज्ञाएँ तथा कुल 69 हजार से अधिक डिजिटल प्रतिज्ञाएँ इस बात का प्रमाण हैं कि राजस्थान का समाज जीवन बचाने के इस अभियान के प्रति पूर्ण संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ आगे आया है।

राजस्थान में बारिश का दौर फिर तेज होने का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कई हिस्सों में मानसूनी बारिश का दौर बृहस्पतिवार से एक बार फिर तेज होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी।

विभाग ने बताया कि छह-सात अगस्त से पूर्वी राजस्थान और आसपास के क्षेत्र के ऊपर एक नया परिसंचरण तंत्र बनने से मानसून के फिर से सक्रिय होने और बारिश के दौर के जोर पकड़ने की संभावना है। विभाग के मुताबिक, इस मौसम प्रणाली के असर से सात से 10 अगस्त के बीच भरतपुर, कोटा, जयपुर और अजमेर संभाग के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी या बेहद भारी बारिश होने का अनुमान है।

विभाग ने बताया कि जोधपुर और बीकानेर संभाग के कुछ हिस्सों में भी सात से नौ अगस्त के बीच बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। विभाग के अनुसार, राजस्थान में बुधवार सुबह तक बीते चौबीस घंटे में कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हुई। उसने बताया कि इस अवधि में डीग जिले में सबसे ज्यादा 66 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

सर्विस रिवॉल्वर से चली गोली से पुलिस निरीक्षक की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में एक पुलिस निरीक्षक अपनी सर्विस (सरकारी) रिवॉल्वर से कथित तौर पर गलती से चली गोली से गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। भीलवाड़ा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य ने बताया कि भीलवाड़ा सदर के थानाधिकारी लोकपाल सिंह (38) मंगलवार शाम गश्त ड्यूटी के लिए तैयार हो रहे थे, तभी उनकी सर्विस रिवॉल्वर से कथित तौर पर गलती से गोली चल गई, जो उनकी कनपटी पर लगी और वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आर्य के मुताबिक, घायल पुलिस अधिकारी को महात्मा गांधी जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए उदयपुर रेफर कर दिया।

आर्य के अनुसार, सिंह नेहरू विहार स्थित अपने आवास से गश्त ड्यूटी पर जाने की तैयारी कर रहे थे और उन्होंने उपनिरीक्षक को सरकारी गाड़ी तैयार रखने के लिए कहा था। हालांकि, उन्होंने बताया कि वर्दी पहनते समय यह घटना हो गई। आर्य ने बताया कि सिंह के परिजन ने घटना की जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिसकर्मी उन्हें अस्पताल ले गए। उन्होंने कहा, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यह आत्महत्या का मामला है या गोली गलती से चली। मामले की जांच पुलिस उपाधीक्षक रैंक के अधिकारी को सौंपी गई है।

मुख्य सचिव श्रीनिवास ने की आरयूआईडीपी के अंतर्गत संचालित परियोजनाओं की समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना (आरयूआईडीपी) प्रदेश की महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके अंतर्गत विकसित आधारभूत सुविधाओं का अधिकतम लाभ आमजन तक पहुंचे, इसके लिए परियोजनाओं की गुणवत्ता, नियमित निगरानी तथा प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों की नियमित निगरानी, प्रभाव आकलन रिपोर्ट तैयार करने तथा परियोजना की उपलब्धियों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव बुधवार को शासन सचिवालय में आरयूआईडीपी के अंतर्गत संचालित एवं प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव ने आरयूआईडीपी के तृतीय एवं चतुर्थ चरण के कार्यों की प्रगति तथा वर्ष 2026-35 के लिए प्रस्तावित पंचम चरण की कार्ययोजना की समीक्षा की। उन्होंने प्रदेश के 84 शहरों में जलापूर्ति, सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, शहरी बाढ़ प्रबंधन, विरासत संरक्षण, पर्यटन तथा अन्य शहरी आधारभूत विकास परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों का संचालन एवं रखरखाव संबंधित शहरी स्थानीय निकायों की जिम्मेदारी है। सभी निकाय इनकी नियमित निगरानी सुनिश्चित करें तथा परियोजनाओं के अंतर्गत विकसित परिसंपत्तियों का अधिकतम उपयोग करें, ताकि नागरिकों को उनका पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने निर्देश दिए कि परियोजनाओं की प्रभाव आकलन रिपोर्ट नियमित रूप से तैयार कर प्रकाशित की जाए। साथ ही, बाह्य सहायता प्राप्त परियोजना होने के कारण वित्तपोषण संस्थाओं के निरीक्षण, मूल्यांकन, परियोजना की प्रगति तथा महत्वपूर्ण छायाचित्रों का अद्यतन एवं व्यवस्थित अभिलेखीकरण किया जाए।

मुख्य सचिव ने परियोजना की वेबसाइट को अधिक उपयोगी, अद्यतन एवं तथ्यपरक बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न शहरों में अपनाई गई श्रेष्ठ कार्य प्रणालियों, निष्पादन मानकों, सफलता की कहानियों तथा उल्लेखनीय उपलब्धियों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए।

राजस्थान में सर्वदलीय बैठक की पहल करने वाले पहले स्पीकर हैं देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के षष्ठम सत्र के लिए सर्वदलीय बैठक मंगलवार 18 अगस्त को प्रात: 11 बजे विधानसभा में बुलाई गई है। उल्लेखनीय है कि सोलहवीं विधान सभा का षष्ठम सत्र 20 अगस्त से आरम्भ हो रहा है। स्पीकर देवनानी की यह पहल राजस्थान विधान सभा में ऐतिहासिक है। देवनानी राजस्थान के पहले स्पीकर है, जिन्होंने सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई है। देवनानी ने कहा कि सदन जनहित के मुद्दों पर चर्चा करने का पवित्र स्थल है। इस स्थल की गरिमा को बनाए रखना सभी दलों के विधायकों की सामूहिक जिम्मेदारी होती है। सदन को शांतिपूर्ण चलाने में सर्वदलीय बैठक अहम कदम है।

स्पीकर देवनानी ने बताया कि बैठक में भाग लेने के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, मुख्य सचेतक प्रतिपक्ष रफीक ख़ान, विधायक डॉ. सुभाष गर्ग, मनोज कुमार, थावर चन्द को आमन्त्रित किया गया है। इसके लिए विधान सभा सचिवालय से सभी को पत्र भेजे गये हैं। देवनानी ने कहा कि सर्वदलीय बैठक लोकतांत्रिक परंपराओं को सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम है। इससे सदन की कार्यवाही में सभी दलों की सहभागिता सुनिश्चित होती है और जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा का मार्ग प्रशस्त होता है। देवनानी ने कहा कि सर्वदलीय बैठक, विधान सभा सत्र शांतिपूर्ण चलने पर सभी दलों की सहमति का सार्थक एवं महत्वपूर्ण कदम है।

देवनानी की अध्यक्षता में सोलहवीं विधान सभा में यह सातवीं सर्वदलीय बैठक होगी। इससे पहले छ: बैठके हो चुकी है। देवनानी ने कहा कि सर्वदलीय बैठकों की परंपरा लोकतांत्रिक संवाद और संसदीय समन्वय को सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम रही है। पूर्व में आयोजित बैठकों से सदन की कार्यवाही के संबंध में विभिन्न दलों के बीच बेहतर सामंजस्य विकसित हुआ। सर्वदलीय बैठक से सदन के प्रभावी संचालन, जनमहत्व के विषयों पर सार्थक चर्चा तथा संसदीय परंपराओं एवं सदन की गरिमा के अनुरूप कार्यवाही संचालित करने में सकारात्मक वातावरण बना।

उन्होंने कहा कि सर्वदलीय बैठकों से आपसी संवाद, विश्वास और सहयोग की भावना को बल मिलता है, जिससे विधानसभा जनअपेक्षाओं के अनुरूप अधिक प्रभावी, उत्तरदायी और परिणामोन्मुख भूमिका निभाने में सक्षम होती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी सर्वदलीय बैठक भी षष्ठम सत्र को अधिक सुव्यवस्थित, गरिमापूर्ण और जनहित के प्रति समर्पित बनाने में महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

सरकार भूख हड़ताल पर बैठे शुभम रेवाड़ से बातचीत करे : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को राज्य सरकार से छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे छात्र नेता शुभम रेवाड़ से तत्काल वार्ता शुरू करने की अपील की। गहलोत ने दावा किया कि जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती रेवाड़ ने अब पानी पीना भी छोड़ दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने न तो रेवाड़ की भूख हड़ताल समाप्त करवाने का प्रयास किया और न ही छात्रों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया।

गहलोत ने कहा, राज्य के हजारों छात्र छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार अपनी जिद पर अड़ी हुई है। आखिर भाजपा सरकार किस बात से डर रही है? उन्होंने पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां उच्च न्यायालय के आदेश के बाद सितंबर 2026 तक सभी 15 सरकारी विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव कराए जाएंगे।

गहलोत ने राजस्थान सरकार से भी इससे सीख लेते हुए तत्काल छात्रसंघ चुनाव कराने की घोषणा करने की मांग की। उन्होंने सरकार के प्रतिनिधियों से बिना देर किए सवाई मानसिंह अस्पताल जाकर रेवाड़ से मिलने और उनकी भूख हड़ताल समाप्त कराने की पहल करने की भी अपील की।

गांवों का विकास बने हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने गाँवों के प्रभावी विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करने का आह्वान किया। बागड़े ने बुधवार को लोकभवन में ग्रामीण विकास विभाग से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए यह बात कही। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, लखपति दीदी और 'वीबी-जीरामजी' के तहत राजस्थान में हुए कार्यों के प्रस्तुतीकरण को देखकर इनके तहत रही उपलब्धियों की विशेष रूप से सराहना की ।राज्यपाल ने गांवों में हस्तकलाओं, कौशल विकास से जुड़े कार्यों के प्रशिक्षण के लिए समुचित व्यवस्था किए जाने का भी आह्वान किया। आधिकारिक बयान के अनुसार राज्यपाल ने लखपति दीदी योजना, हर घर नल, सभी गांवों में शतप्रतिशत शौचालय के अंतर्गत हुए काम की भी बैठक में विशेष रूप से समीक्षा की। बागड़े ने मानसून में अधिक से अधिक पौधारोपण करने पर जोर देते हुए कहा कि वृक्ष लगाएं ही नहीं, यह भी सुनिश्चित करें कि वे लगने के बाद जिंदा रहे।

ट्रक की चपेट में आने से कांवड़िये की मौत

जयपुर। राजस्थान के अजमेर जिले में बुधवार को गेगल थाना क्षेत्र के पास एक ट्रक की चपेट में आने से कांवड़ यात्रा पर निकले एक श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों भाई पुष्कर से पवित्र जल लेकर किशनगढ़ लौट रहे थे, तभी वे एक ट्रक की चपेट में आ गए। उसने बताया कि किशनगढ़ निवासी शुभम (18) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका छोटा भाई प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, प्रदीप को अजमेर स्थित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसने बताया कि हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से भागने लगा, लेकिन वहां मौजूद लोगों ने उसे पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। एक अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने चालक को भीड़ से छुड़ाकर हिरासत में ले लिया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है।

चांदीपुरा वायरस: स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुजरात, राजस्थान में विशेषज्ञों के दल भेजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुजरात और राजस्थान में जारी चांदीपुरा वायरस रोग (सीएचपीवी) के प्रकोप से निपटने की तैयारियों को मजबूत करने के लिए एक राष्ट्रीय संयुक्त प्रकोप प्रतिक्रिया दल (एनजॉर्ट) तैनात किया है। मंत्रालय ने कहा कि यह तैनाती शोध संस्थानों के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क द्वारा की जा रही निरंतर और गहन वैज्ञानिक जांच के साथ-साथ राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) द्वारा राज्य निगरानी इकाइयों के सहयोग से चलाए जा रहे एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) के तहत बीमारी की लगातार की जा रही निगरानी के बीच की गई है। इन समन्वित प्रयासों का उद्देश्य वायरस के फैलने के तरीके, इसके नैदानिक दायरे, महामारी विज्ञान और संभावित उपचार दृष्टिकोणों की समझ को आगे बढ़ाना है, ताकि साक्ष्यों पर आधारित सार्वजनिक स्वास्थ्य कदमों को सही दिशा दी जा सके। मंत्रालय ने बताया कि एनजॉर्ट टीम की सहायता के लिए एनसीडीसी जन स्वास्थ्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (पीएचईओसी) को भी सक्रिय कर दिया गया है।

बहुविषयक विशेषज्ञों वाली इस एनजॉर्ट टीम में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनडीसी), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और पशुपालन एवं डेयरी विभाग (डीएएचडी) के विशेषज्ञ शामिल हैं। यह टीम प्रकोप की जांच करने, महामारी के आकलन, नैदानिक प्रबंधन (मरीजों के

इलाज), प्रयोगशाला समन्वय, रोगवाहक विषाणुओं की निगरानी और जनस्वास्थ्य उपायों को लागू करने में दोनों राज्य सरकारों के प्रयासों को सहयोग प्रदान करेगी।

यह टीम जमीनी प्रतिक्रिया की समीक्षा करने के लिए राज्य के स्वास्थ्य विभागों के साथ मिलकर काम करेगी और अपना जमीनी मूल्यांकन पूरा करने के बाद स्वास्थ्य मंत्रालय को अपनी सिफारिशें सौंपेगी। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि यह तैनाती हाल के वर्षों में चांदीपुरा वायरस के लिए की जा रही सबसे व्यापक वैज्ञानिक जांचों के बीच हुई है। इस प्रकोप की जांच के लिए आईसीएमआर-राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान (चेन्नई), आईसीएमआर-राष्ट्रीय वेक्टर नियंत्रण अनुसंधान संस्थान (पुडुचेरी), आईसीएमआर-राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (पुणे), आईसीएमआर-राष्ट्रीय पूर्व-नैदानिक अनुसंधान संस्थान (हैदराबाद) और आईसीएआर-राष्ट्रीय पशु रोग महामारी विज्ञान एवं सूचना विज्ञान संस्थान (बेंगलुरु) के विशेषज्ञ गुजरात राज्य स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। बयान में कहा गया है कि इसके तहत महामारी विज्ञान, विषाणु विज्ञान, एंटोमोलॉजी (कीट विज्ञान), पशु चिकित्सा विज्ञान और प्रयोगशाला निदान के विशेषज्ञों को एक साथ लाया गया है, ताकि चांदीपुरा वायरस संक्रमण के हल्के बुखार से लेकर 'एक्यूट एंसेफेलाइटिस सिंड्रोम' यानी 'एईएस' (मस्तिष्क की गंभीर सूजन या दिमागी बुखार) तक के सभी लक्षणों को समझा जा सके और जनस्वास्थ्य उपायों को मजबूत करने के लिए साक्ष्य जुटाए जा सकें।

जांच के तहत, प्रभावित जिलों में 'एक्यूट फेब्राइल इलनेस' यानी 'एएफआई' (अचानक आने वाला तेज बुखार) और एईएस (दिमागी बुखार) के लक्षणों वाले मरीजों में सक्रिय निगरानी तेज कर दी गई है। इसके साथ ही, बिना लक्षण वाले संक्रमणों का अनुमान लगाने और वायरस के प्रसार की वास्तविक स्थिति का आकलन करने के लिए समुदाय आधारित 'सीरोसर्वे' (रक्त नमूनों की जांच) कराये जा रहे हैं।

प्रयोगशाला की टीमें बीमारी के विकास और उसके कारणों को बेहतर ढंग से समझने के लिए नैदानिक परीक्षणों को मजबूत करने और बेहतर पशु मॉडल विकसित करने पर एक साथ काम कर रही हैं। जांच के जरिये मुख्यतया वायरस के फैलने के तरीके का पता लगाया जा रहा है। यद्यपि रेत मक्खी चांदीपुरा वायरस की स्थापित वाहक है, लेकिन वैज्ञानिक इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि क्या मच्छर, चिचड़ी (टिक्स) और घुन (माइट्स) जैसे अन्य कीटों की भी इसके प्रसार में कोई भूमिका हो सकती है।

प्रभावित क्षेत्रों से बड़ी संख्या में एकत्र किए गए कीट-पतंगों के नमूनों का वर्तमान में प्रयोगशाला में विश्लेषण किया जा रहा है। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया है कि जब तक वैज्ञानिक जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक वर्तमान प्रकोप के लिए जिम्मेदार वाहक (कीट) की पहचान करना जल्दबाजी होगी।

आरबीआई की विदेशी मुद्रा अदला-बदली योजना पहले बंद करने की योजना नहीं : गवर्नर मल्होत्रा

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय बैंक की रियायती विदेशी मुद्रा अदला-बदली योजना को समय से पहले बंद करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने भरोसा जताया कि यह योजना आगे भी विदेशी मुद्रा का अच्छा प्रवाह आकर्षित करती रहेगी। मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमें अब तक इस योजना से विदेशी मुद्रा का मजबूत प्रवाह मिला है और आगे भी अच्छा प्रवाह बने रहने की उम्मीद है। आरबीआई ने जून महीने में रुपये के मूल्य में आई कमजोरी को देखते हुए सरकार के साथ मिलकर यह योजना शुरू की थी। अब तक इसके जरिये करीब 41 अरब डॉलर जुटाए जा चुके हैं, जिसमें 36.25 अरब डॉलर के एफसीएनआर-बी जमा के अलावा 2.5 अरब डॉलर की विदेशी उधारी और 1.5 अरब डॉलर का बाहरी वाणिज्यिक कर्ज शामिल हैं।

विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) जमा योजना (एफसीएनआर-बी) सितंबर में समाप्त हो जाएगी, जबकि अन्य दो योजनाएं दिसंबर तक जारी रहेंगी। इस योजना के तहत मुद्रा हेजिंग की लागत भी आरबीआई स्वयं वहन कर रहा है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के मूलभूत कारक मजबूत हैं और इस योजना से देश की बाहरी स्थिति और सुदृढ़ हुई है। उन्होंने कहा कि हाल में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 97 से मजबूत होकर 95 के स्तर तक आ गया है और वैश्विक तनाव कम होने पर इसमें और मजबूती आ सकती है। उन्होंने कहा कि आरबीआई केवल अत्यधिक अस्थिरता की स्थिति में ही मुद्रा विनिमय बाजार में हस्तक्षेप करता है। इसके साथ ही मल्होत्रा ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि क्षेत्र की मजबूती पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सिंचाई के विस्तार, कृषि मशीनीकरण, बेहतर बीजों और सहायक गतिविधियों के बढ़ने से कृषि क्षेत्र पहले की तुलना में अधिक जुझारू हुआ है और अब वर्षा की कमी का असर कम पड़ता है।

'राम धन' की चोरी करने वालों को भगवान राम जीतने नहीं देंगे : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को घेरते हुए बुधवार को कहा कि जिन्होंने राम धन' की चोरी की है, उन्हें प्रभु श्रीराम अब जीतने नहीं देंगे। अखिलेश ने यहां सपा मुख्यालय में आयोजित ब्राह्मण सम्मेलन' को संबोधित करते हुए भाजपा पर 'चढ़ावा चोरी' मामले में छोटे कर्मचारियों को पकड़ने और बड़े लोगों' को बचाने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, भाजपा के लोग आजकल मुंह छिपाकर घूम रहे हैं। दान पात्र के ऊपर तो ताला है, लेकिन उन्होंने नीचे से एक सुरंग बनाई है। भाजपा वालों ने महापाप किया है, उन्होंने प्रभु श्री राम का चढ़ावा तक चुरा लिया है। अखिलेश ने कहा, जिन्होंने 'राम धन' की चोरी की है, प्रभु श्रीराम इस बार उन्हें जीतने नहीं देंगे। उनके महापाप की सजा उन्हें मिलने जा रही है। सपा प्रमुख ने भाजपा पर कथित चढ़ावा चोरी के बड़े दोषियों को बचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, जब चोरी पकड़ी गई, तो छोटे-छोटे कर्मचारियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। सच्चाई तो यह है कि चोरी इतनी बड़ी है कि हम-आप उसकी कल्पना भी नहीं कर सकते। ये छोटे कर्मचारी चोरी नहीं कर सकते। चोरी हुई है, तो बड़े लोग इसमें जरूर शामिल होंगे।

भाजपा जनता को धोखा देने के लिए बांकीपुर, दतिया उपचुनाव जानबूझकर हारी : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर बिहार की बांकीपुर और मध्यप्रदेश की दतिया विस सीट पर हाल में हुए उपचुनाव जानबूझकर हारने का बुधवार को आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा जनता को धोखा देने के लिए दोनों उपचुनाव हारी। अखिलेश ने सपा के संस्थापक सदस्य रहे जनेश्वर मिश्र की जयंती पर यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित 'ब्राह्मण सम्मेलन' के दौरान बांकीपुर व दतिया विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की हार का जिक्र किया। उन्होंने कहा, भाजपा के लोग जानबूझकर उपचुनाव हारे, क्योंकि वे देखना चाहते थे कि क्या बिना बेईमानी किए चुनाव जीता जा सकता है। भाजपा ने बांकीपुर और दतिया में वह मॉडल नहीं अपनाया, जो उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में अपनाया था। वे जनता को धोखा देने के लिए उपचुनाव हारे। ये लोग चर्चा कर रहे हैं कि अब विपक्ष के लोग ईवीएम की बात नहीं करेंगे।

लोकसभा में गतिरोध बरकार, कार्यवाही गुरुवार तक स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दों पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद बृहस्पतिवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष के हंगामे के बीच, सदन में 'बैंककार बही साक्ष्य विधेयक, 2026' को मंजूरी दी गई, जिसका उद्देश्य अदालतों में डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग रिकॉर्ड को साक्ष्य के रूप में स्वीकार करने की प्रक्रिया को आधुनिक तथा पहले से अधिक स्पष्ट बनाना है।

लोकसभा की कार्यवाही आज सुबह 11 बजे शुरू होने पर अध्यक्ष ओम बिरला ने जब प्रश्नकाल शुरू कराया तो विपक्ष के सदस्य हंगामा करने लगे। वे अयोध्या में राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी का मुद्दा उठा रहे थे और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के बारे में गृह मंत्री अमित शाह के बयान की अपनी मांग दोहरा रहे थे। बिरला ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों से प्रश्नकाल चलने देने का आग्रह करते हुए कहा, प्रश्नकाल महत्वपूर्ण होता है और इसमें सदस्यों को अवसर मिलना चाहिए। मेरा आग्रह है कि प्रश्नकाल चलाने में सहयोग करें। प्रश्नकाल के बाद सभी मुद्दों पर आपसे चर्चा करूंगा। उन्होंने आसन के पास आकर नारे लगा रहे और पोस्टर लहरा रहे सदस्यों से कहा, सदन के अंदर या बाहर नारेबाजी लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। आप नियोजित तरीके से पोस्टरबाजी करके और प्रदर्शन करके सदन की गरिमा को गिराना चाहते हैं।''शोर-शराबा जारी रहने पर अध्यक्ष ने बैठक अपराह्न दो बजे तक स्थगित कर दी। कार्यवाही फिर शुरू होने पर स्थिति ज्यों की त्यों बनी रही। पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने कहा, ''मैं गंभीरता से आग्रह करना चाहता हूं, मैं शून्यकाल चलाना चाहता हूं, आप के नाम लॉटरी में आए हैं, नीति और राज्यों से जुड़े सवाल हैं। मैं आपको बोलने दे रहा हूं।''

आरक्षित सीट वाली विशेष ट्रेन का किराया नियमित ट्रेनों से अधिक : रेल मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा को बताया कि आरक्षित सीट वाली विशेष ट्रेनों का किराया नियमित निर्धारित ट्रेनों की तुलना में अधिक होता है। वैष्णव का यह लिखित उत्तर कांग्रेस सांसद संजना जाटव के उन प्रश्नों पर आया, जिनमें विशेष ट्रेनों के किराया ढांचे और किराया तय करने के तरीकों के बारे में पूछा गया था। सदस्य ने पिछले तीन सालों में विशेष से नियमित सेवा में बदली गई ट्रेनों की संख्या के बारे में भी जानकारी मांगी थी। वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे यात्रियों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार कोशिश करती रहती है। इसके लिए नई सेवाएं शुरू की जाती हैं, मौजूदा ट्रेन सेवाओं का विस्तार किया जाता है, उनके फेरे बढ़ाए जाते हैं और मौजूदा ट्रेनों में कोच की संख्या बढ़ाई जाती है। इसके अलावा, मौजूदा ट्रेन सेवाओं की क्षमता (लोड) भी बढ़ाई जाती है। ये लगातार चलने वाली प्रक्रियाएं हैं, जो परिचालन व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता, प्रतिस्पर्धी मांगों आदि पर निर्भर करती हैं।

राहुल संसद में बहस से डरते हैं, आरएसएस पर निराधार आरोप लगाते हैं : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर बुधवार को तीखा हमला करते हुए उन्हें ''अपरिपक्व'' और ''अंशकालिक'' नेता प्रतिपक्ष बताया तथा आरोप लगाया कि वह संसद की कार्यवाही में बाधा डाल रहे हैं क्योंकि वह नरेन्द्र मोदी सरकार के कामकाज की तुलना पूर्ववर्ती कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार से होने से डरते हैं।

सत्तारूढ़ दल ने कांग्रेस नेता पर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ ''निराधार'' टिप्पणियां करने का भी आरोप लगाया। गांधी ने मंगलवार को पूर्व सांसद वाइको की पुस्तक के विमोचन के अवसर पर कहा था कि देश के छात्र ''गहरी पीड़ा'' में हैं और उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माफी नहीं चाहिए बल्कि वे चाहते हैं कि सरकार की कार्रवाई के लिए मोदी सार्वजनिक तौर पर माफी मांगें। उन्होंने यह भी कहा था कि छात्र इसलिए सड़कों पर हैं क्योंकि आरएसएस देश के इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश कर रहा है। गांधी ने कहा था कि भारत अपने इतिहास को किसी के द्वारा रौंदे जाने को स्वीकार नहीं करेगा। गांधी ने कहा था कि प्रत्येक राज्य को अपनी संस्कृति और भाषा के साथ समान व्यवहार पाने का अधिकार है, लेकिन आरएसएस चाहता है कि केवल उसी के दृष्टिकोण वाला इतिहास स्वीकार किया जाए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने यहां संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि राहुल गांधी ''अपरिपक्व'', ''अंशकालिक'' और ''गैर-जिम्मेदार'' नेता प्रतिपक्ष हैं तथा संसद की कार्यवाही इसलिए बाधित कर रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि मोदी सरकार के कामकाज से तुलना होने पर कांग्रेस की पोल खुल जाएगी। भाटिया ने दावा किया, ''राहुल गांधी डरे हुए हैं। उन्हें पता है कि जब प्रभावशाली मोदी सरकार और 2004 से 2014 तक की रीढ़विहीन कांग्रेस नीत सरकार की तुलना होगी तो चरित्रहीन कांग्रेस बेनकाब हो जाएगी। इसलिए संसद में व्यवधान डाला जा रहा है।'' भाजपा और आरएसएस पर राहुल गांधी की टिप्पणी का जवाब देते हुए भाटिया ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता ''मोदी-भय'' और ''आरएसएस-भय'' से ग्रस्त हैं तथा बिना किसी प्रमाण के संघ की विचारधारा को बार-बार ''जहरीली'' बताते हैं। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी मोदी-भय और आरएसएस-भय से ग्रस्त हैं। जिस विचारधारा ने पूरी निष्ठा से देश की सेवा की है, उसे 'जहरीली' कहना आसान है, लेकिन बिना किसी सबूत के इसे सिद्ध करना संभव नहीं है।'' छात्रों और परीक्षा सुधारों पर राहुल गांधी की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए भाटिया ने आरोप लगाया कि विपक्ष शासित राज्यों में कथित प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं पर कांग्रेस नेता चुप्पी साध लेते हैं।

ईंधन संबंधी नियम में छूट की वोल्वो कार मालिकों की याचिका पर सुनवाई करेगा न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय वोल्वो कार मालिकों की उस याचिका पर सुनवाई के लिए बुधवार को सहमत हो गया जिसमें निर्धारित अवधि पूरी कर चुके वाहनों को राष्ट्रीय राजधानी में ईंधन नहीं देने के नियम में छूट देने का अनुरोध किया गया है। शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेश के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के राज्यों के परिवहन विभागों को 10 वर्ष से अधिक पुराने डीजल वाहनों और 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों के सड़कों पर चलने पर रोक लगाने का निर्देश दिया था। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ से एक वकील ने याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का अनुरोध करते हुए कहा कि कार मालिकों को ईंधन लेने में परेशानी हो रही है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''लेकिन यह प्रदूषण से जुड़ा मामला है...आप देखिए।'' वकील ने कहा, ''ये उच्च श्रेणी की वोल्वो कारें हैं। ये लंबे समय तक अच्छी स्थिति में रहती हैं और हम प्रदूषण संबंधी सभी मानकों का पालन कर रहे हैं।'' प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''बहरहाल, हम इसे सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेंगे।'' शीर्ष अदालत ने पिछले वर्ष 17 दिसंबर को दिल्ली सरकार के अधिकारियों को उन पुराने वाहनों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने की अनुमति दी थी जो भारत चरण-चार (बीएस-चार) उत्सर्जन मानकों के अनुरूप नहीं हैं। अदालत ने अपने 12 अगस्त 2025 के उस आदेश में संशोधन किया था जिसमें 10 वर्ष से अधिक पुराने डीजल वाहनों और 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर पूर्ण रोक लगाई गई थी।

सड़क हादसों में हर साल 1.8 लाख मौतें, चालकों को बेहतर प्रशिक्षण जरूरी : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए चालकों को लेन अनुशासन और यातायात नियमों का वैज्ञानिक प्रशिक्षण देना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश में हर साल सड़क हादसों में करीब 1.8 लाख लोगों की मौत हो जाती है। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों का जवाब देते हुए गडकरी ने कहा, ''यह बेहद दुखद है कि हर साल हमारे यहां 1,80,000 लोगों की मौत होती है।''

उन्होंने कहा कि ''इन मौतों के पीछे कई कारण हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण कारण इंसान का व्यवहार है।'' गडकरी ने कहा, ''हमारे देश में चालकों को अच्छा प्रशिक्षण देने की जरूरत है।'' सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि चालकों को लेन अनुशासन और यातायात नियमों का वैज्ञानिक प्रशिक्षण दिया जाना बहुत महत्वपूर्ण है।

वह मनोनीत सदस्य सुधा मूर्ति के पूरक प्रश्न का जवाब दे रहे थे। मूर्ति ने कहा था कि देश में अच्छी सड़कें हैं, लेकिन दुर्घटनाएं भी बहुत अधिक हो रही हैं। उन्होंने पूछा था कि क्या सरकार के पास चालकों को लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए कोई नई व्यवस्था या योजना है? बाद में मूर्ति ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग बहुत अच्छे हैं, लेकिन कई बार तेज और लापरवाही से वाहन चलाने वाले चालकों के कारण दुर्घटनाएं होती हैं। उन्होंने कहा, ''अधिकतर मामलों में चालक अच्छी तरह प्रशिक्षित नहीं होते और संभव है कि उन्होंने गलत तरीकों से लाइसेंस हासिल किए हों। यह साबित करने के लिए कोई रिकॉर्ड या वीडियो नहीं होता कि उन्होंने ड्राइविंग टेस्ट कैसे पास किया। कई मामलों में नाबालिग चालक भी बिना परिणाम समझे वाहन चलाते हैं।'' मूर्ति ने सरकार से ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया को और सख्त व पारदर्शी बनाने की मांग की। ड्राइविंग टेस्ट के दौरान वीडियो रिकॉर्डिंग की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि केवल योग्य लोगों को ही वाहन चलाने की अनुमति मिले और सड़क दुर्घटनाएं कम हों। भाजपा सदस्य रेखा शर्मा ने राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के समय से कार्यान्वयन में देरी को कम करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में सवाल किया। गडकरी ने कहा कि जमीन अधिग्रहण राज्य का विषय है और परियोजनाओं के लिए जमीन के साथ-साथ पर्यावरण और वन मंजूरी भी लेनी होती है। हम आसमान में राजमार्ग नहीं बना सकते। हमें जमीन चाहिए और यही एक बड़ी समस्या है। द्रमुक सदस्य पी. विल्सन ने टोल वसूली का मुद्दा उठाते हुए कहा कि निवेश की भरपाई हो जाने के बाद भी टोल शुल्क लगातार लिया जाता है।

शुभेंदु अधिकारी ने दो थानों, अग्निशमन एवं आपात सेवा मुख्यालय का औचक निरीक्षण किया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को यहां दो थानों का औचक निरीक्षण किया और बाद में राज्य के अग्निशमन और आपातकालीन सेवा मुख्यालय के कामकाज की समीक्षा की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गृह विभाग का प्रभार भी संभाल रहे मुख्यमंत्री ने सबसे पहले शहर के पश्चिमी हिस्से में वाटगंज थाने और फिर इकबालपुर थाने का दौरा किया। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने थानों में बुनियादी ढांचे का जायजा लिया, आधिकारिक रिकॉर्ड की जांच की और महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती के बारे में जानकारी ली। इन दौरों के दौरान पुलिस उपायुक्त (डीसीपी-पोर्ट डिवीजन) हरिकृष्ण पाई भी मुख्यमंत्री के साथ थे।

बाद में मुख्यमंत्री मिर्जा गालिब स्ट्रीट पर अग्निशमन और आपात सेवा विभाग के मुख्यालय गये। उनके साथ अवर मुख्य सचिव खलील अहमद और पश्चिम बंगाल के अग्निशमन एवं आपात सेवा महानिदेशक अनुज शर्मा भी मौजूद थे। एक अधिकारी ने बताया, ''ये दौरे मुख्यमंत्री के दिन के तय कार्यक्रम का हिस्सा नहीं थे।''

मुझे गंभीरता से विचार करना पड़ेगा कि मैं इस कुर्सी के योग्य हूं या नहीं : विस अध्यक्ष महाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने मानसून सत्र के दूसरे दिन समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों के आचरण को लेकर गहरी निराशा जताते हुए बुधवार को कहा, मुझे इस बात पर गंभीरता से विचार करना पड़ेगा कि मैं इस कुर्सी के योग्य हूं या नहीं। महाना ने कहा, मैंने पिछले साढ़े चार वर्षों में जो कुछ भी किया, वह उचित था या नहीं, मैं इसका आत्मावलोकन करूंगा और शीघ्र निर्णय लूंगा। हालांकि, सपा विधायकों ने सदन से इस सत्र के लिए निलंबित किए गए पार्टी सदस्य सचिन यादव को बहाल करने और अन्य मांगों को लेकर बुधवार को भी हंगामा किया और आसन के करीब आ गए।

इसके चलते सदन की कार्यवाही पहले आधे घंटे के लिए, फिर 12 बजकर 20 मिनट तक के लिए और उसके बाद एक बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। एक बजे के बाद कार्यवाही फिर शुरू हुई, लेकिन हंगामे के चलते इसे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। महाना ने बुधवार को पीठ पर आसीन होते ही सभी सदस्यों से कहा, पहले आप लोग मेरी बात सुन लें, फिर मैं कोई बात सुनूंगा। दरअसल, अयोध्या स्थित राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी को लेकर सपा सदस्यों ने मंगलवार को जबरदस्त हंगामा किया और आसन के करीब आ गए। इस दौरान फिरोजाबाद जिले के जसराना से विधायक सचिन यादव ने एक पोस्टर लहराया, जिस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर थी।

हंगामे के बीच महाना ने यादव को पूरे सत्र के लिए सदन से बाहर करने का निर्देश दिया। विपक्ष के रवैये से आहत महाना ने बुधवार को अपने संबोधन में कहा, पिछले साढ़े चार वर्षों में मैंने विधायिका की गरिमा और संवैधानिक महत्ता को संरक्षित करने का प्रयास किया। कई दशकों से समाज में विधायिका और विधायकों के बारे में जो धारणा बन रही थी, मुझे उसे लेकर पीड़ा थी। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है कि कल (मंगलवार) से पहले सदस्य कभी आसन के करीब नहीं आए। आना उनका अधिकार है, लेकिन वे समय और परिस्थितियों के अनुसार अपनी बात कहकर वापस चले गए।

महाना ने पूर्ववर्ती सपा सरकार में हुए एक प्रसंग की याद दिलाते हुए कहा, मुझे याद है कि तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसका मैंने विरोध किया था। यह बात कार्रवाई में भी दर्ज है। उन्होंने कहा, मेरे विचार से सदन के नेता और मुख्यमंत्री का सम्मान करना सदस्यों का संवैधानिक दायित्व है। सदन के माननीय सदस्य जो शपथ लेते हैं, उसमें भी यह बात निहित है कि वे सदन के नेता का सम्मान करेंगे।

बांग्लादेश लौटना चाहती हूं, जब भी बुलाया जाएगा मैं कोलकाता पहुंच जाऊंगी : तसलीमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। बांग्लादेश से निर्वासित लेखिका तसलीमा नसरीन बुधवार को छह दिन की यात्रा के बाद कोलकाता से रवाना हो गईं, लेकिन जाते-जाते उन्होंने इतना जरूर कहा कि जब भी यह शहर (कोलकाता) उन्हें बुलाएगा, वह यहां पहुंच जाएंगी। रवानगी से पहले हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में नसरीन ने बांग्लादेश लौटने की इच्छा जताई, लेकिन कहा कि फिलहाल वह भारत में ही रहेंगी क्योंकि ढाका ने न तो उनके पासपोर्ट का नवीनीकरण किया है और न ही उनके स्वीडिश पासपोर्ट पर उन्हें वीजा दिया है। उन्होंने कहा, ''बेशक मैं लौटना चाहती हूं। मैं 32 साल से निर्वासन में हूं। लेकिन मुझे बांग्लादेश वापस जाने की इजाजत नहीं है। ऐसा नहीं है कि मैं लौटना नहीं चाहती।''

उन्होंने कहा, ''मेरे पासपोर्ट का नवीनीकरण नहीं हुआ है। इसलिए, फिलहाल मैं भारत में ही रहूंगी।'' लगभग दो दशक बाद 31 जुलाई को कोलकाता पहुंचीं नसरीन ने कहा कि वह सुंदर यादों' के साथ शहर से जा रही हैं और आम लोगों से मिले प्यार से वह बहुत भावुक हैं। उन्होंने कहा, ''मेरे पास बहुत अच्छी यादें हैं। आम लोगों के प्यार ने मेरी आंखों

में आंसू ला दिए।'' उन्होंने कहा कि कोलकाता हमेशा से उनके दिल के करीब रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि वह अक्टूबर या अगले साल जनवरी में शहर लौट सकती हैं। नसरीन ने कहा, ''जब भी कोलकाता मुझे बुलाएगा, मैं आऊंगी।''

यह पूछे जाने पर कि क्या वह दुर्गा पूजा के दौरान शहर आएंगी, नसरीन ने कहा कि उस समय उनके शहर में रहने की संभावना कम है क्योंकि उनके विदेश में रहने की उम्मीद है। लेकिन उन्होंने भरोसा जताया कि वह कोलकाता पुस्तक मेले के लिए वह लौटेंगी। उनकी यह यात्रा उस घटना के 19 साल बाद हुई है जब उन्हें अपनी लेखनी को लेकर हुए हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के बाद कोलकाता छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा था। वर्ष 2007 के बाद शहर में यह उनकी पहली यात्रा थी। एक दिन पहले, नसरीन ने कहा था कि बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को ढाका लौटने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति दी जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शनों के बाद हसीना के सत्ता से बेदखल होने की दूसरी बरसी से पहले अवामी लीग पर से प्रतिबंध हटाने की भी मांग की।

भाजपा ने नसरीन की वापसी को एक प्रतीकात्मक सुधार के तौर पर पेश किया है।

सुविचार

स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है। नियमित व्यायाम करें, संतुलित भोजन लें, अच्छे विचार रखें, जीवन आनंदमय बनेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इस मांग का क्या मतलब?

अनुच्छेद 370 हटाए जाने के सात साल पूरे होने पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं द्वारा जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल किए जाने की मांग का क्या मतलब है? क्या वे चाहते हैं कि केंद्र शासित प्रदेश उसी पुराने दौर में लौट जाए? उसके एक मंत्री के इन शब्दों से तो यही लगता है- 'हम मांग करते हैं कि हमारा विशेष दर्जा और हमसे छीने गए अधिकार बहाल किए जाएं।' जम्मू-कश्मीर से ऐसे कौनसे अधिकार छीन लिए गए, जो ये नेता वापस चाहते हैं? जिस अनुच्छेद 370 की याद में ये भावुक हुए जा रहे हैं, उसने जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद और भेदभाव को बढ़ावा दिया था। वह संपूर्ण भारत के साथ जुड़ाव पैदा करने में बड़ी बाधा बना हुआ था। क्या 21वीं सदी में जम्मू-कश्मीर में ऐसी व्यवस्था स्वीकार की जानी चाहिए, जब भारत की संसद द्वारा बनाए गए कानून वहां स्वत: लागू न हों? याद करें, अनुच्छेद 370 हटाए जाने से पहले कितनी प्रशासनिक जटिलता पैदा होती थी! उस समय वहां अलग झंडा लहराता था। एक संप्रभु राष्ट्र में इसकी इजाजत बिल्कुल नहीं होनी चाहिए। जब देश के अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की तुलना में अलग संवैधानिक व्यवस्था रहेगी तो राष्ट्रीय एकता की बात भूल ही जाएं। अनुच्छेद 370 ने जम्मू-कश्मीर में उद्योगों को पनपने ही नहीं दिया था। निवेश के मार्ग में भारी बाधाएं आती थीं। इससे जनता को नुकसान हुआ था। युवाओं में बेरोजगारी फैली, कमाई के अवसर सीमित रहे। उक्त अनुच्छेद ने खास तरह की राजनीतिक विचारधारा के लिए उपजाऊ जमीन तैयार की थी। उस विचारधारा के समर्थक कभी संतुष्ट नहीं रहते थे। वे हमेशा भारत को लाल आंखें दिखाते रहते थे। वे प्रेस वार्ताओं में आग उगलते थे, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती थी।

अनुच्छेद 370 वह दीवार थी, जो अपने विशेष प्रावधानों के कारण कुछ वर्गों को संपत्ति, सरकारी नौकरी और अन्य अधिकारों तक पहुंचने से रोकती थी। नेशनल कॉन्फ्रेंस और अन्य पार्टियों के वे नेता जो विशेष दर्जा बहाल करने की मांग कर रहे हैं, के बच्चे बेहतरीन शिक्षण संस्थानों में पढ़ते हैं। वे आम लोगों के उन बच्चों के बारे में क्यों नहीं सोचते, जिनकी प्रगति के रास्ते अनुच्छेद 370 ने रोके थे? वास्तव में, इस अनुच्छेद के कारण जम्मू-कश्मीर की सत्ता कुछ परिवारों तक सीमित रही। घूम-फिरकर वे ही शासन करते थे, वे ही नीतियां बनाते थे। विशेष संवैधानिक व्यवस्था का फायदा उन परिवारों को ही मिला था। आम कश्मीरियों के मन में यह बात बैठाने की कोशिश की गई कि वे सबसे अलग हैं। जब अन्य राज्यों से कोई व्यक्ति वहां जाता तो उसे चिढ़ाने के लिए कई तरीके अपनाए जाते थे। लोगों का यह अनुभव रहा है कि जब उन्होंने किसी स्थानीय व्यक्ति से समय पूछा तो उसने घड़ी देखकर पाकिस्तान का मानक समय बताया था। किसी स्थानीय व्यक्ति ने पूछा, 'आप कहां से आए हैं?' जब शहर का नाम बताया (जैसे- दिल्ली, बेंगलूरु, जयपुर आदि) तो उसने मुस्कुराकर कहा, 'अच्छा, आप इंडिया से आए हैं!' कई लोग पाकिस्तान के साथ एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए, उसके द्वारा बताई गईं तारीखों पर त्योहार मनाते थे। कुछ तो अलगाववाद में इतने आगे बढ़ गए थे कि उन्होंने पाकिस्तानी इलाकों के नाम पर जम्मू-कश्मीर के इलाकों के नकली नाम रख दिए थे। वे कई शब्दों का उच्चारण उसी तरह करने लगे थे, जैसे पाकिस्तानी करते हैं। इस सारे फर्जीवाड़े पर तब निर्णायक प्रहार हुआ, जब अनुच्छेद 370 को हटाने की घोषणा हुई। तब से अब तक हालात बहुत बेहतर हुए हैं। अगर मोदी सरकार भी पिछली सरकारों की तरह तुष्टीकरण करती तो समस्याओं में भारी बढ़ोतरी होती। अनुच्छेद 370 में इतनी खामियां थीं कि उसे देर-सबेर जाना ही था। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। इसके निवासी भारत के सम्मानित नागरिक हैं। उनके पास वे सभी अधिकार हैं, जो भारत के नागरिकों को मिले हुए हैं। इसलिए नेतागण अनर्गल बयान देने के बजाय लोगों की भलाई पर ध्यान दें।

ट्वीटर टॉक

मुजराई मंदिर पुजारी, आगमिका और सेवक संघ (रजिस्टर्ड) ने वसंतनगर में एक राज्य-स्तरीय बड़ा सम्मेलन आयोजित किया, और मंत्री श्री रामलिंगारेड्डी के सम्मान समारोह का उद्घाटन किया गया। चामुंडेश्वर मंदिर के मुख्य पुजारी शशिशेखर दीक्षित और अन्य लोग मौजूद थे।

-डीकेशिवकुमार

आनंदीलाल पोद्दार स्कूल फॉर द डेफ एंड म्यूट पहुंचकर, मैं उन डेफ एंड म्यूट स्टूडेंट्स से मिला जो अपनी जायज़ मांगों के लिए धरना दे रहे थे और उनकी समस्याओं के बारे में जाना। इन बच्चों को सिर्फ़ अपनी शिकायतें बताने के लिए प्रदर्शन करने पर मजबूर होना पड़ा।

-अशोक गहलोत

माननीय प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री के शानदार नेतृत्व और माननीय केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह के पक्के इरादे के तहत, आर्टिकल 370 को हटाकर 'एक संविधान-एक झंडा-एक नेता' का ऐतिहासिक सपना और 'एक भारत-सर्वोच्च भारत' का राष्ट्रीय संकल्प पूरा हुआ।

-योगी आदित्यनाथ

प्रेरक प्रसंग

शहादत और क्रांति

वर्ष 1913 में संपूर्ण देश अंग्रेजों के अत्याचारों से त्राहि-त्राहि कर रहा था। इसमें आदिवासी भी शामिल थे। महान सामाजिक और आध्यात्मिक सुधारक गोविंद गुरु ने 'भगत आंदोलन' के जरिए भील आदिवासियों को संगठित किया। उन दिनों आदिवासी अंग्रेजों द्वारा थोपे गए बेगार, भारी लगान और स्थानीय राजाओं-सामंतों के शोषण के खिलाफ अपने अधिकारों की मांग कर रहे थे। यह अंग्रेजों को ब्रिटिश हुकूमत के लिए खतरा लगने लगा। 17 नवंबर, 1913 को आदिवासी मानगढ़ की पहाड़ियों पर शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कर रहे थे, तभी ब्रिटिश सेना और स्थानीय रियासतों की संयुक्त टुकड़ियों ने आदिवासियों को चारों ओर से घेर लिया और उन पर अंधाधुंध गोलियां व तोपें बरसाईं। इस बर्बरतापूर्ण हिंसा में लगभग 1500 निर्दोष भील और बंजारा आदिवासी शहीद हो गए थे। इस हिंसक नरसंहार को 'आदिवासी जलियांवाला बाग' के नाम से भी जाना जाता है। मगर अंग्रेजों के अनेक अत्याचारों के बाद भी जन-जन में क्रांति की लहर जगी और पूरा देश एक सूत्र में बंधता गया। आखिर 15 अगस्त सन 1947 को अंग्रेजों को भारत छोड़कर जाना पड़ा।

सामयिक

उज्ज्वल है भारत का खेल भविष्य

डॉ. आशीष वशिष्ठ

इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल में भारत का प्रदर्शन उम्मीद से कहीं बेहतर रहा। भारत ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य सहित कुल 39 पदक जीते। वह पदक तालिका में चौथे नंबर पर रहा। पहली नजर में यह प्रदर्शन बर्मिंघम 2022 के 61 पदक से कमजोर दिख सकता है, लेकिन आंकड़े अलग कहानी बताते हैं। इस बार ग्लासगो में सिर्फ 10 खेल शामिल थे, जबकि बर्मिंघम में 19 खेल खेले गए थे। बैडमिंटन, कुश्ती, शूटिंग, हॉकी, टेबल टेनिस और क्रिकेट जैसे खेल ग्लासगो गेम्स का हिस्सा नहीं थे, जिनसे 2022 में भारत को 30 पदक मिले थे। इसके अलावा भारत ने 210 खिलाड़ियों की जगह सिर्फ 123 खिलाड़ियों का दल भेजा। इनमें से 38 खिलाड़ी पदक जीतकर लौटे, यानी सफलता की दर 31 प्रतिशत रही। बर्मिंघम में यह आंकड़ा 29 प्रतिशत था।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल शुरू होने से पहले भारतीय ओलंपिक संघ और विभिन्न खेल महासंघों की आंतरिक रिपोर्ट में भारत को 6 स्वर्ण समेत 31 पदक मिलने का अनुमान लगाया गया था। भारतीय खिलाड़ियों ने अनुमान से दोगुना से भी ज्यादा स्वर्ण जीते। कुल पदक में भी आगे निकल गए। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल में भारत का सबसे सफल खेल बॉक्सिंग रहा। 14 मुक्केबाजों के दल में से 10 खिलाड़ी पदक जीतकर लौटे। इसमें 7 स्वर्ण और 3 रजत शामिल रहे। यानी 71 प्रतिशत मेडल कन्वर्जन रेट। बर्मिंघम 2022 में यह आंकड़ा 58 प्रतिशत था। पदक वितरण समारोह के दौरान सात बार भारत का राष्ट्रगान बजना न सिर्फ ग्लासगो में मौजूद भारतीय दर्शकों के लिए गर्व का पल था, बल्कि इस बात का सबूत भी था कि इस गैर-पारंपरिक खेल को गांवों और छोटे कस्बों तक ले जाने की पहल काफी हद तक सफल रही है। भारतीय बॉक्सरों के प्रदर्शन की जितनी भी प्रशंसा की जाए वो कम है।

जूडो में भारत ने पहली बार राष्ट्रमंडल खेल इतिहास में स्वर्ण जीता। अस्मिता डे और हर्ष सिंह ने स्वर्ण जीता। यामिनी मौर्य ने रजत और उन्नति शर्मा ने कांस्य जीतकर कुल चार पदक भारत की झोली में डाले। हालांकि 14 सदस्यीय भारतीय टीम के दो खिलाड़ी अरुण कुमार और तुलिका मान डोपिंग के कारण बाहर हो गए। इसी तरह, एथलीटों और पैरा-एथलीटों ने 16 पदक जीते। इनमें से कुछ ने तो नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाए।

वेटलिफ्टर्स ने आठ और पदक जीते। इन पदकों में ओलंपियन मीराबाई चानू का जीता हुआ एक स्वर्ण पदक भी शामिल था, जिससे उन्होंने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की; मणिपुर की इस एथलीट ने इससे पहले 2018 गोल्ड कोस्ट और 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल में भी स्वर्ण पदक जीता था। असल में, मीराबाई चानू की शानदार कामयाबी के बावजूद, भारतीय वेटलिफ्टरों का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। इस निराशा की एक वजह यह है कि डोपिंग के आरोपों के कारण कम से कम दो भारतीय वेटलिफ्टरों की एंट्री वापस लेनी पड़ी। छह अन्य खिलाड़ी-कड़ी टक्कर न होने के बावजूद-लड़ने के जज़्बे की कमी या तकनीकी गलतियों की वजह से स्वर्ण पदक जीतने का मौका चूक गए।

एथलेटिक्स ने भारत को 10 पदक दिलाए, लेकिन एक भी स्वर्ण नहीं आया। नीरज चोपड़ा रजत जीत सके। उनके साथ डेब्यू कर रहे यशवीर सिंह ने कांस्य जीता। गुलवीर सिंह ने 10 हजार मीटर में सिल्वर और 5 हजार मीटर रेस में कांस्य जीतकर इतिहास रचा। गुलवीर एक ही कॉमनवेल्थ गेम्स में एथलेटिक्स में दो पदक जीतने वाले वह भारत के पहले खिलाड़ी भी बनें। तेजस्विन शंकर ने डेकाथलन में भारत का पहला राष्ट्रमंडल पदक दिलाया। सरवेश कुशारे, श्रीशंकर, प्रवीण चित्रावेल और सीमा कालीरामना भी पदक जीतने में सफल रहे। हालांकि स्प्रिंट और रिले टीम से बड़ी उम्मीदें थीं, वह खाली हाथ रही।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि मोदी सरकार के 12 वर्षों के शासन में देश में खेलों का संस्थागत विकास तेजी से हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बार यह दोहराया है कि खेल देश में एकता बढ़ाने, युवाओं को प्रेरित करने और भारत को एक आत्मविश्वासी और उभरती हुई वैश्विक ताकत के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उनकी यह सोच कार्यों में भी दिखाई देती है, जैसे कि 'खेलो इंडिया' और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम यानी 'टॉप्स' जैसे प्रमुख कार्यक्रमों के माध्यम से। इन पहलों ने देश में खेलों की पूरी व्यवस्था को नया रूप दिया है और भारत को खेलकूद के प्रति समर्पित एक राष्ट्र बना दिया है। इन योजनाओं के कारण भारतीय खिलाड़ियों को बेहतर वित्तीय सहायता, आधुनिक प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय स्तर का एक्सपोजर मिला है, जिसके परिणामस्वरूप ओलंपिक, पैरालंपिक, कॉमनवेल्थ और एशियाई खेलों में भारत का प्रदर्शन लगातार सुधरा है।

नई प्रतिभाओं को पदक जीतने वाले खिलाड़ी में बदलने में 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम की अहम भूमिका रही है। इस कार्यक्रम के तहत अब तक 2781 से अधिक खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, उपकरण, चिकित्सा देखभाल और वित्तीय सहायता दी गई है। सरकार ने खेलो इंडिया योजना पर 36,441 करोड़ रुपये का भारी निवेश मंजूर किया है। वर्ष 2026-31 के लिए संशोधित खेलो इंडिया योजना को मंजूरी दी है। राष्ट्रीय खेल महासंघों को मजबूत बनाने के लिए बड़े पैमाने पर वित्तीय सहायता दी जा रही है।

देश के दूर-दराज और ग्रामीण इलाकों से भी उभरती प्रतिभाओं को खोजा जा रहा है। स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण और मार्गदर्शन की सुविधाएं देने के लिए देशभर में 1041 खेलो इंडिया केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही, 32 खेलो इंडिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और 301 खेल अकादमियों को मान्यता दी गई है, जिससे खेलों का पूरा इकोसिस्टम और मजबूत हुआ है। खेलो इंडिया सीओई में खिलाड़ियों को विशेषज्ञ कोचिंग, पोषण और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण की सुविधा दी जा रही है। मोदी सरकार की इन पहलों का जमीन पर जबरदस्त असर भी दिख रहा है। 2022 एशियाई खेलों में भारत के 42 पदकों में से 124 पदक विजेता 'खेलो इंडिया' से प्रशिक्षित खिलाड़ी थे। वहीं पेरिस 2024 ओलंपिक में खेलो इंडिया के 28 खिलाड़ियों ने देश का प्रतिनिधित्व किया था। 'खेलो इंडिया' के खिलाड़ियों ने अब तक करीब 6000 राष्ट्रीय रिकॉर्ड और 1400 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए हैं, जो भारत के जमीनी स्तर के खेलकूद के कार्यक्रमों की प्रगति को दर्शाता है।

कोच और खेल विशेषज्ञ मानते हैं कि कॉन्टिनेंटल या ग्लोबल इवेंट्स में प्रतियोगिता का स्तर कहीं ज्यादा होता है। ऐसे में किसी एथलीट या खिलाड़ी की काबिलियत और कड़ी मेहनत की असली परीक्षा एशियन गेम्स या ओलंपिक्स में होती है।

हालांकि कॉमनवेल्थ गेम्स में जीते गए मेडल का महत्व कम नहीं आंका जाना चाहिए। इस बार युवा खिलाड़ियों ने दिखाया है कि भारत का खेल भविष्य पहले से कहीं ज्यादा उज्ज्वल दिख रहा है, कई खेलों में नई पीढ़ी के टैलेंटेड एथलीट सुर्खियां बटोर रहे हैं। राष्ट्रमंडल खेल जैसी प्रतियोगिता में किए गए प्रदर्शन को आम तौर पर भविष्य में सुधार के पैमाने और अपनी खूबियों व कमियों के आकलन के तौर पर देखा जाता है।

राष्ट्रमंडल खेल के बाद अब भारतीय खिलाड़ियों की नजर एशियन गेम्स में दमदार प्रदर्शन करने पर है। 20 वें एशियाई खेल का आगाज 19 सितंबर से जापान के नागोया में होग। भारत इस बार हांग्जो 2022 के अपने ऐतिहासिक 107 पदकों के रिकॉर्ड को तोड़ने के इरादे से मैदान में उतरेगा। इसीलिए भारतीय खिलाड़ियों को राष्ट्रमंडल खेल में अपने प्रदर्शन पर गर्व करते हुए एशियन गेम्स में पेश आने वाली चुनौतियों के हिसाब से बिना एक भी पल गवाएं तैयारियां शुरू कर देनी चाहिए। क्योंकि जब विदेशी धरती पर तिरंगा लहराता है और जन-गण-मन गूंजता है, तो वह पल केवल एक खिलाड़ी की जीत नहीं, बल्कि पूरे देश का गौरव बन जाता है।

नजरिया

गालीबाज नहीं, देश का मान बढ़ाने वाली बेटियाँ चाहिएं

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल : 9219179431

दो तस्वीरें देश के सामने हैं एक ओर देश के लिए राष्ट्रमंडल खेलों में आठ स्वर्ण पदक जीतने वाली बेटियाँ दूसरी तस्वीर देश के प्रधानमंत्री और उनकी दिवंगत माँ के लिए आपत्तिजनक शब्द कहने वाली बेशरम गालीबाज लड़कियाँ! विचार कीजिए आप अपनी बेटी से कैसे आचरण की उम्मीद करेंगे जाहिर सी बात है कि एक अशिक्षित या अल्पशिक्षित अति सामान्य अभिभावक भी देश के सम्मान को बढ़ाने वाली संतान को प्राथमिकता देगा। यह देश और नारी शक्ति के लिए भी गौरव की बात है कि ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने कुल 13 स्वर्ण पदक जीते, जिनमें से 8 स्वर्ण पदक देश की बेटियों ने अपने नाम किए। मीराबाई चानू, अस्मिता डे, शर्मिला धनखड़ और महिला मुक्केबाजों के शानदार प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया कि अंतरराष्ट्रीय खेल मंचों पर अब भारतीय नारी शक्ति का दबदबा है। स्वर्ण पदक जीतने वाली प्रमुख महिला खिलाड़ीमीराबाई चानू: वेटलिफ्टिंग की 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों में लगातार तीन बार गोल्ड हासिल करने वाली पहली भारतीय वेटलिफ्टर बनीं।अस्मिता डे: जूडो के 48 किग्रा वर्ग में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक देश की झोली में डाला।शर्मिला धनखड़: पैरा एथलेटिक्स (शॉट पुट एफ57) में स्वर्ण पदक जीतकर नया इतिहास रचा। मुक्केबाज प्रीति पवार, जैस्मीन लांबोरिया, साक्षी चौधरी, प्रिया घंघास और अरुंधती चौधरी : रिंग में बेहतरीन दांव-पेच दिखाते हुए मुक्केबाजी के विभिन्न भार वर्गों में पांच स्वर्ण पदक अपने नाम किए।अन्य उल्लेखनीय प्रदर्शन लवलीना बोरगोहीन : 75 किग्रा मुक्केबाजी वर्ग में रजत पदक जीता। हरजिंदर कौर और ज्ञानेश्वरी यादव : वेटलिफ्टिंग में रजत पदक हासिल किए। यामिनी मौर्या : जूडो स्पर्धा में रजत पदक प्राप्त किया।

राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन हर भारतीय को गर्वित करने वाला तो है ही, यह भविष्य के लिए बहुत सारी उम्मीदें भी देता है और देश की जेन जी को एक टास्क देता है हर क्षेत्र में देश का मान बढ़ाने का। आपको बता दें कि पदक तालिका में चौथे स्थान पर भारत उस स्थिति में खड़ा है, जब भारतीय खिलाड़ियों के दबदबे वाले कई खेल इस बार के आयोजन में शामिल ही नहीं किए गए थे। बावजूद इसके भारतीय खिलाड़ियों ने ग्लासगो में तिरंगे को बार-बार शिखर पर पहुंचाया और 140 करोड़ से अधिक देशवासियों को गौरवान्वित किया। भारत ने इन खेलों में कुल 39 पदक (13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक) जीते। हमारे खिलाड़ियों ने मुक्केबाजी, भारोत्तोलन और जूडो में शानदार प्रदर्शन किया है, बल्कि पहली बार बॉक्सिंग में सात स्वर्ण पदक जीते हैं। सबसे अहम बात यह है कि बेटियों ने स्वर्ण पदकों की झड़ी लगा दी। मीरा बाई चानू से जो शुरुआत हुई, तो फिर इस कतार में शर्मिला, अस्मिता, प्रीति पवार, साक्षी चौधरी, प्रिया धंधास, अरुंधति चौधरी, जैस्मिन जैसे नाम जुड़ते चले गए। अब ये सिर्फ नाम नहीं हैं, देश की हजारों-लाखों बेटियों की प्रेरणा-स्रोत हैं। इनमें से एकाधिक लड़कियां तो बेहद साधारण पृष्ठभूमि से आई हैं। उनका सबसे ऊंचे पोडियम पर खड़ा होना खास गौरवशाली है। वे न सिर्फ अपने जैसी अनगिनत प्रतिभाओं को प्रेरित करेंगी, बल्कि हमारे खेल से जुड़े कर्ता-धर्ताओं को और उत्साहित करेंगी कि वे ग्रामीण क्षेत्रों पर भी ध्यान दें। अब जरा गौर कीजिए एक ओर जंतर-मंतर के प्रदर्शन में शामिल भद्दी अश्लील गाली देने वाली रीलबाज लड़कियाँ देश और दुनिया में जगहंसाइ व निंदा का पात्र बन गयीं हैं और दूसरी ओर ये बेटियां हैं जिन्होंने वर्षों की कठोर प्रशिक्षण और अभ्यास के बूते पर दुनिया में देश का नाम रोशन किया है ये स्वयं व इनके परिवार दशकों तक देश भर में सम्मान और गौरव का अनुभव करेंगे। सिर्फ एक सही राह और परवरिश कितना बड़ा अन्तर पैदा कर सकती है इसे शिद्दत से समूचा देश और खासकर अभिभावकों को महसूस करना चाहिए।

आठ स्वर्ण पदकों ने न केवल भारत के अभियान को नई ऊंचाई दी, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि भारतीय महिला खिलाड़ी अब केवल उभरती प्रतिभाएं नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार स्वर्ण जीतने वाली चैंपियन बन चुकी हैं। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा ने महिला खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर गर्व जताते हुए एक अधिकारिक बयान में कहा, भारत के 13 स्वर्ण पदकों में से आठ महिलाओं के नाम होना बेहद गर्व की बात है।

इसमें कोई दोराय नहीं कि बीते कुछ वर्षों में देश में खेल-संस्कृति का तेजी से विकास हुआ है। खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिलचस्पी और 'खेलो इंडिया' जैसे कार्यक्रमों का इसमें अहम योगदान है। इस क्षेत्र में सार्वजनिक निवेश भी बढ़ा है और बड़े पैमाने पर युवा अब इसे करियर के तौर पर अपनाने लगे हैं। हालांकि, इस संस्कृति के निर्माण में क्रिकेट का सबसे बड़ा योगदान है। आईपीएल की शुरुआत ने देश के छोटे-छोटे शहरों को कई सितारे दिए, और उन पर पैसों की बरसात ने समाज की पूरी मनोदशा बदल दी। परिवार अवरोधक के बजाय सहायक की भूमिका में आने लगे। सबसे बड़ा बदलाव तो लड़कियों के मामले में आया हैं। पहले बेटियों के लिए खेल-क्षेत्र में बहुत बाधाएं थीं, मगर अब वे भी सपने देख रही हैं और उनको साकार कर रही हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स की पदक तालिका उनकी प्रतिभा और जिजीविषा की कहानी खुद कह रही है।

इस बदलाव को इस तरह भी समझते है कि अब भी हिंदी हृदयस्थल के सूबों से एथलेटिक्स में उतने खिलाड़ी उभरकर सामने नहीं आ रहे, जितने हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, केरल, महाराष्ट्र, असम और मणिपुर जैसे प्रदेशों से निकल रहे हैं और इन राज्य-सरकारों को इस पर विचार करना चाहिए। ऐसा कतई नहीं कि इन राज्यों के पास प्रतिभाएं नहीं हैं। झारखंड ने क्रिकेट से इतर हॉकी, तीरंदाजी आदि खेल विधाओं में कई राष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं। राज्य अगर खेल-संस्कृति को प्रोत्साहन दे, तो वहां से कई नी प्रतिभाएं देश को मिल सकते हैं। बिहार, उत्तर प्रदेश को खेलों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इसी कॉमनवेल्थ गेम्स में पैरा शॉटपुट में, बिहार के सोमन राणा का स्वर्ण पदक इस बात का सुबूत है कि अगर सही तलाश की जाए, तो इन दोनों सूबों के पास ऐसे युवाओं की कोई कमी नहीं, जो वैश्विक खेल प्रतिस्पर्द्धाओं में देश-प्रदेश का नाम ऊंचा कर सकें। अगले राष्ट्रमंडल खेल अहमदाबाद में होने वाले हैं।

आठ स्वर्ण पदकों ने न केवल भारत के अभियान को नई ऊंचाई दी, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि भारतीय महिला खिलाड़ी अब केवल उभरती प्रतिभाएं नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार स्वर्ण जीतने वाली चैंपियन बन चुकी हैं। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा ने महिला खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर गर्व जताते हुए एक अधिकारिक बयान में कहा, भारत के 13 स्वर्ण पदकों में से आठ महिलाओं के नाम होना बेहद गर्व की बात है। इन उपलब्धियों के पीछे खिलाड़ियों, उनके परिवारों, कोचों और सहयोगी स्टाफ का वर्षों का समर्पण है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अनुसार, ग्लासगो में मिली सफलता भारत में महिलाओं के सशक्तिकरण की व्यापक तस्वीर भी पेश करती है। शिक्षा, उद्यमिता, शासन और खेल सहित हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक असर अब खेल मैदानों पर भी साफ दिखाई दे रहा है। लड़कियों को खेलों से जोड़ने वाली योजनाएं, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं, खिलाड़ियों के लिए मजबूत सहायता तंत्र और महिला खिलाड़ियों को बढ़ता सम्मान इस बदलाव की मजबूत नींव बने हैं। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति देश की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी लगातार महिला खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते रहे हैं और उन्हें विश्व स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते रहे हैं। ग्लासगो में भारतीय महिला खिलाड़ियों का प्रदर्शन इसी व्यापक सोच और अवसरों के विस्तार का परिणाम है। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि हम पिछले कॉमनवेल्थ खेलों की पदक संख्या से बहुत आगे निकल सकें। देश अपनी इन बेटियों के स्वागत और सम्मान में पलक पावड़े बिछाकर तैयार है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

रूस के मिसाइल हमलों में कीव और आस-पास के क्षेत्रों में 17 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। यूक्रेन की राजधानी कीव और उसके आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार रातभर किए गए रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों में 17 लोगों की मौत हो गई तथा 44 अन्य लोग घायल हो गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बुधवार को यह जानकारी दी। रूस यूक्रेन के खिलाफ बड़े पैमाने पर लगातार बैलिस्टिक मिसाइल हमले कर रहा है। इस साल गर्मियों से ऐसे हमले लगभग नियमित हो गए हैं। यूक्रेन के पास अमेरिका निर्मित 'पैट्रियट' प्रणालियों की मिसाइलों का सीमित भंडार है। उसके पास मौजूद हवाई रक्षा प्रणालियों में केवल 'पैट्रियट' ही बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराने में सक्षम है। रूस के हमलों में यूक्रेन की इसी कमजोरी का फायदा उठाया जा रहा है।

जेलेंस्की ने अन्य देशों से और अधिक अवरोधक मिसाइलें भेजने की अपील की है। ईरान युद्ध के कारण इन मिसाइलों की उपलब्धता और कम हो गई है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा, आज मारे गए लोगों की जान बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने वाली प्रणालियां ही बचा सकती थीं। उन्होंने कहा, ''हमारे साझेदारों के लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि इनकी आपूर्ति में देरी या बैलिस्टिक मिसाइल रोधी प्रणालियां देने में अनिच्छा का सीधा नतीजा ऐसी भयावह जनहानि और तबाही के रूप में सामने आता है।'' अमेरिका की अगुवाई वाले शांति प्रयासों में कोई प्रगति होती नहीं दिखने के बीच यूक्रेन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर बातचीत के लिए दबाव बनाने के उद्देश्य से तेल रिफाइनरियों जैसे प्रमुख रूसी स्थलों पर हमले तेज कर दिए हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बिना शर्त युद्धविराम का प्रस्ताव रखा था जिसे यूक्रेन ने स्वीकार कर लिया है लेकिन पुतिन ने इसे मानने से इनकार कर दिया है।

रूस की सबसे बड़ी ऑनलाइन खुदरा कंपनी 'वाइल्डबेरीज' और तुला क्षेत्र के गवर्नर ने बताया कि यूक्रेन ने कंपनी के माल ढुलाई केंद्रों पर बुधवार को एक और हमला करते हुए मॉस्को के दक्षिण में तुला क्षेत्र स्थित उसके एक गोदाम को ड्रोन से निशाना बनाया। यूक्रेन के आंकड़ों के अनुसार, तीन सप्ताह से भी कम समय में 'वाइल्डबेरीज' का यह 14वां गोदाम है, जिसमें आग लगी है। यूक्रेन का कहना है कि यह कंपनी ऐसे सामान उपलब्ध कराती है, जिनका इस्तेमाल रूसी सेना कर सकती है।

इमरान खान के समर्थकों ने पूरे पाकिस्तान में प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की कैद के तीन साल पूरे होने पर उनके समर्थकों ने बुधवार को पुलिस की कार्रवाई के बावजूद देश के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन किया। पंजाब प्रांत में पुलिस ने इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान 'तहरीक-ए-इंसाफ' (पीटीआई) के 20 से अधिक प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। क्रिकेट की दुनिया से राजनीति में आए 73-वर्षीय खान भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद पांच अगस्त, 2023 से जेल में हैं। उनके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं और इनमें से कुछ मामलों में हुई सजाएं या तो निलंबित कर दी गई हैं या रद्द कर दी गई हैं।

हालांकि, अन्य मामलों में मुकदमे लंबित होने के कारण वह अब भी जेल में हैं।

खान की पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को पाकिस्तान के चार प्रांतों में कई स्थानों पर रैलियां आयोजित करने के लिए अधिकारियों से अनुमति मांगी थी। पंजाब, सिंध और बलूचिस्तान प्रांतों में हालांकि प्रदर्शन की इजाजत नहीं मिली, जिसके बाद पेशावर में आयोजित एक जनसभा पार्टी के अभियान का मुख्य केंद्र बन गई है, जिसमें मुख्य रूप से इमरान खान की रिहाई की मांग की गई। खान की कम से कम दो बहनों के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर में जनसभा को संबोधित करने की संभावना है। इस प्रांत में उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ सत्ता में है।

पार्टी के वरिष्ठ नेता शेख वकास अकरम ने कहा कि अन्य जगहों पर प्रदर्शन की इजाजत नहीं मिलने के बावजूद पार्टी नेतृत्व ने क्षेत्रीय इकाइयों में अपने कार्यकर्ताओं से रैलियां आयोजित करने को कहा। इसके बाद पुलिस ने सख्ती की और पंजाब में गिरफ्तारियां हुईं।

अकरम ने कहा, ''लेकिन हम उनके (खान के) लिए बाहर निकलेंगे।'' पार्टी के वकील अबूजर सलमान नियाजी ने कहा, ''पंजाब पुलिस ने इमरान खान के गृहनगर मियांवाली में उनकी रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे 20 से अधिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है।''

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्था 'एमनेस्टी इंटरनेशनल' की दक्षिण एशिया के लिए कार्यवाहक क्षेत्रीय निदेशक इसाबेल लासी ने कहा कि पाकिस्तान के अधिकारियों ने इमरान खान को निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार से जानबूझकर वंचित रखा। उन्हें लंबे समय तक एकांत कारावास में रखा तथा उनके इलाज एवं लोगों से मिलने-जुलने के अधिकारों को सीमित किया।

नृत्य ने मुझे एक अभिनेत्री के रूप में और अधिक भावपूर्ण बनाया : करिश्मा कपूर

मुंबई/भाषा

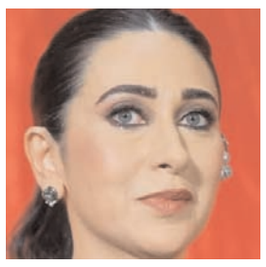

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने कहा कि नृत्य ने उन्हें न केवल हिंदी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में स्थापित किया, बल्कि एक कलाकार के रूप में भी अधिक भावपूर्ण बनने में अहम भूमिका निभाई। इक्यावन वर्षीय अभिनेत्री इन दिनों टेलीविजन के डांस रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' में निर्णायक के रूप में नजर आ रही हैं।

करिश्मा ने 1990 के दशक में 'ले गई', 'सोना कितना सोना है', 'मैं तो रास्ते से जा रहा था' और 'हुस्न है सुहाना' जैसे लोकप्रिय गीतों में अपने ऊर्जावान और भावपूर्ण नृत्य से खास पहचान बनाई थी। करिश्मा ने कहा, एक नृत्यांगना के लिए भावों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करना बहुत जरूरी होता है। तभी उसे अच्छी नृत्यांगना माना जाता है। नृत्य केवल यांत्रिक गतिविधि नहीं है, इसलिए किसी भी नृत्य शैली में भावों की अभिव्यक्ति बेहद अहम होती है। करिश्मा ने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, ''नृत्य ने मेरे करियर में काफी मदद की, खासकर भावों को व्यक्त करने, गीतों और अभिनय में।'' नृत्य ने भले ही उन्हें लोकप्रियता दिलाई हो, पर करिश्मा 'फिज़ा' और 'जुबैदा' जैसी फिल्मों को एक अभिनेत्री के तौर पर अपने अभिनय कौशल के विस्तार को साबित करने का श्रेय देती हैं।

उन्होंने कहा,'' 'फिजा', 'जुबैदा', 'शक्ति' और 'बीवी नंबर 1' जैसी फिल्में भी मेरे सफर का अभिन्न हिस्सा हैं। इन फिल्मों ने साबित किया कि मैं दोनों तरह की भूमिकाएं निभा सकती हूं। ये सभी फिल्में मेरे दिल के बेहद करीब हैं।'' करिश्मा ने बॉलीवुड में अपने नृत्य को संवारने का श्रेय दिवंगत कोरियोग्राफर सरोज खान को भी दिया। उन्होंने कहा, ''सरोज खान जी मेरी गुरु थीं। मैं उनसे नृत्य सीखने के लिए जाया करती थी और वह मुझे प्रशिक्षण देती थीं। वह मुझे माधुरी दीक्षित और संजय दत्त के गीत तम्मा तम्मा' पर बॉलीवुड के लिए नृत्य सिखाती थीं। उस समय वह उसी गीत की कोरियोग्राफी कर रही थीं और अपनी टीम से कहती थीं, यह मेरा नया गाना है, इसे यही गाना सिखाओ।''

फिल्म 'दिल तो पागल है' में माधुरी दीक्षित नेने के साथ अपने नृत्य का जिक्र करते हुए करिश्मा ने कहा कि यह उनके करियर के सबसे कठिन गीत दृश्यों में से एक था। 'इंडियाज बेस्ट डांसर' में निर्णायक के तौर पर करिश्मा ने कहा कि उन्हें युवा प्रतिभाओं को देखना पसंद है और उन्होंने यह भी जोड़ा कि रियलिटी टीवी पर पिछले कुछ वर्षों में नृत्य का स्वरूप काफी विकसित हुआ है।

'खोसला का घोसला-2' की शूटिंग हुई पूरी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अनुपम खेर की आगामी फिल्म 'खोसला का घोसला-2' की शूटिंग पूरी चुकी है। अभिनेता अनुपम खेर ने बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए रैपअप की जानकारी दी। अभिनेता ने अपनी इस पोस्ट के जरिए अपने साथी-कलाकार बोमन ईरानी की जमकर सराहना की।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर रैप-अप पार्टी की वीडियो पोस्ट की। इसमें अभिनेता बोमन ईरानी को खास मित्र और साथ काम करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

अनुपम खेर ने लिखा, खुराना साहब की फिल्म रैप। मंगलवार रात मेरे दोस्त बोमन ईरानी की फिल्म 'खोसला का घोसला-2' की शूटिंग पूरी हो गई है। एक ऐसे आदमी के बारे में क्या कहा जा सकता है, जिसके पास सब कुछ हो, टैलेंट, विनम्रता, उदारता, समझदारी और एक बड़ा दिल।

मृणाल ठाकुर ने डीपफेक बनाने वालों को दी चेतावनी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने सोशल मीडिया के जरिए डीपफेक बनाने वालों को चेतावनी दी। उन्होंने अपने पोस्ट के जरिए उनके वीडियो और तस्वीरों को हटाने की चेतावनी दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने डीपफेक बनाने वालों को चेतावनी देते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाही की बात की। अभिनेत्री ने लिखा, मेरी तस्वीर या आवाज का इस्तेमाल करके डीपफेक वीडियो या फोटो बनाना और शेयर करना गैरकानूनी और गलत है। इस पोस्ट के जरिए मैं सभी को चेतावनी दे रही हूं, इसे तुरंत बंद कर दें। अगर मेरी पहचान का आगे कोई गलत इस्तेमाल हुआ, तो मैं कानूनी कार्रवाई करूंगी।

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर की बात करें, तो अब उनकी झोली में कई फिल्में लगी हुई हैं। अभिनेत्री साल की शुरुआत में रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'दो दीवाने सहर में' नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म मुंबई शहर में रहने वाले दो ऐसे लोगों की है जो आत्म-संदेह, सामाजिक दबाव और असुरक्षा से जूझते हुए प्यार और अपनापन पाते हैं। फिल्म ने बॉक्सऑफिस पर अच्छी कमाई की थी।इसके बाद अभिनेत्री डेविड धवन की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ वरुण धवन और पूजा हेगड़े भी मुख्य भूमिकाओं में थे। अभिनेत्री अदिवी शेष के साथ एक्शन-ड्रामा फिल्म 'डकैत- एक प्रेम कथा' में नजर आई थी। इस फिल्म का निर्देशन शनेल देव ने किया है। यह फिल्म प्यार, धोखे, और बदले की एक अनोखी कहानी है। इसमें हाई-स्टेक्स चोरी और जबरदस्त सस्पेंस देखने को मिलता है। फिल्म में मृणाल ठाकुर ने 'सरस्वती' नाम का किरदार निभाया है। उनका किरदार सिर्फ एक रोमांटिक लव-इंटरेस्ट तक सीमित नहीं है, बल्कि वह कहानी का मुख्य संघर्ष और ताकत का प्रतीक बनता है। आदिवी शेष मुख्य अभिनेता के रूप में नजर आए हैं, जबकि फिल्म में अनुराग कश्यप ने एक खतरनाक खलनायक/पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई है।

'मिर्जापुरः द मूवी' का पहला गाना 'दो नंबरी' रिलीज, दिखी कालीन-मुन्ना भईया की झलक

मुंबई/एजेन्सी

बहुप्रतीक्षित क्राइम-एक्शन ड्रामा फिल्म 'मिर्जापुर: द मूवी' का पहला गाना 'दो नंबरी' मंगलवार को मेकर्स ने रिलीज कर दिया गया है। यह गाना फिल्म के किरदारों की हल्की-सी झलक देखने को मिल रही है। गानो को हरियाणवी म्यूजिक इंडस्ट्री के बड़े नामों में से एक, धंधा न्योलीवाल ने कंपोज, लिखा और गाया है। उन्होंने अपने गाने के अंदाज, हिट गानों, और दमदार स्टेज परफॉर्मेंस से फैंस के बीच खास पहचान बनाई है।यह गाना दर्शकों को फिल्म 'मिर्जापुर: द मूवी' की झलक पेश करता है। इसमें सीरीज के सबसे पॉपुलर किरदार देखने को मिलते हैं, जिनमें गुड्डु पंडित (अली फजल), मुन्ना भैया (दिव्येंदु), और कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) शामिल हैं।'मिर्जापुर: द मूवी' लोकप्रिय क्राइम-एक्शन वेब सीरीज का बड़े पर्दे का रूपांतरण है। फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा और रविकिशन के अलावा श्वेता त्रिपाठी, जितेंद्र कुमार, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुग्गल, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता गौर, सुशांत सिंह, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, कुलभूषण खरबंदा, सोनल चौहान, प्रमोद पाठक और अनंग्शा बिस्वास अहम भूमिका में नजर आएंगे। 'मिर्जापुर: द मूवी' का निर्माण एक्सेल एंटरटेनमेंट और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज द्वारा किया जा रहा है। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है जबकि कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। इस प्रोजेक्ट को फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म को हिंदी और तेलुगु भाषाओं में 4 सितंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

वेब सीरीज 'मिर्जापुर' 2018 में रिलीज हुई थी और भारत की सबसे प्रभावशाली स्ट्रीमिंग सीरीज में से एक बन गई, जिसने डिजिटल दौर में क्राइम ड्रामा को एक नई परिभाषा दी। यह उत्तर प्रदेश के कानून-विहीन इलाके पर आधारित थी। इसमें सत्ता की लड़ाई, पारिवारिक दुश्मनी, राजनीति और हिंसा के साथ-साथ यादगार किरदार और बेहतरीन कहानी कहने का अंदाज शामिल है। महत्वाकांक्षा और बदले की भावना के इसके दमदार चित्रण ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया, जिससे इसके डायलॉग, सीन और किरदार सोशल मीडिया और पॉपुलर कल्चर में खूब शेयर किए गए। इस सीरीज ने भारतीय ओटीटी प्लेटफॉर्म को मनोरंजन की दुनिया में एक बड़ी ताकत के तौर पर स्थापित करने में भी मदद की और क्रिएटर्स को गहरे और क्षेत्र-विशेष की कहानियों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित किया।

संदीपा धर ने शेयर किया लेग-डे वॉर्म-अप रूटीन

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई फिटनेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए मशहूर अभिनेत्री संदीपा धर ने हाल ही में अपने फैंस को लेग-डे वर्कआउट की तैयारी की एक झलक दिखाई है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्होंने अपने लेग-डे से पहले अपनाई जाने वाली एक प्रभावी वॉर्म-अप टेक्निक दिखाई है, जो उनके वर्कआउट रूटीन का अहम हिस्सा है।गौरतलब है कि लेग-डे वर्कआउट में ताकत, लचीलापन और सहनशक्ति की जरूरत होती है। ऐसे में सही वॉर्म-अप मसल्स को एक्टिव करने और शरीर को कठिन एक्सरसाइज के लिए तैयार करने में मदद करता है। संदीपा का यह फिटनेस-फर्स्ट अप्रोच उनकी अनुशासित और नियमित लाइफस्टाइल को दर्शाता है।वर्कफ्रंट की बात करें तो संदीपा धर जल्द ही नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल सीरीज़ 'चुंबक' में नजर आनेवाली हैं। इस एंसेम्बल कॉमेडी सीरीज़ में उनके साथ नीना गुप्ता, अर्जुन बिजलानी, सुमीत व्यास, हेली शाह और कई अन्य कलाकार दिखाई देंगे। मुंबई के बैकग्राउंड पर आधारित यह सीरीज़ 28 अगस्त 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। एक ओर जहां संदीपा अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित हैं, वहीं दूसरी ओर वह अपनी फिटनेस और वेलनेस को भी उतनी ही प्राथमिकता दे रही हैं। उनका यह संतुलन उनके प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ दोनों के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

'तेरा साईं' की शूटिंग पूरी

मुंबई/एजेन्सी

गायक, संगीतकार और फिल्म निर्माता पलाश मुच्छल ने अपनी आगामी आध्यात्मिक फिल्म तेरा साईं की शूटिंग पूरी कर ली है। साईं बाबा के जीवन, उनकी शिक्षाओं और मानवता के संदेश पर आधारित यह फिल्म दर्शकों को आस्था, उम्मीद और करुणा से भरपूर एक भावनात्मक सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। रेड आई स्टूडियो प्रस्तुत तेरा साईं का लेखन और निर्देशन पलाश मुच्छल ने किया है। फिल्म में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता संजय मिश्रा साईं बाबा की मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। उनके साथ सयाजी शिंदे, मनोज जोशी, ओमकार दास माणिकपुरी, अविका गौर और रोहन मेहरा अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म की शूटिंग पूरी होने पर अपनी खुशी और भावनाएं साझा करते हुए लेखक-निर्देशक पलाश मुच्छल ने कहा, तेरा साईं की शूटिंग पूरी होना मेरे लिए बेहद भावुक और संतोष देने वाला पल है। यह फिल्म सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि मेरे दिल के बेहद करीब एक आध्यात्मिक यात्रा रही है। हमने हर दृश्य को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ फिल्माया है। इतने शानदार कलाकारों और मेहनती टीम के साथ काम करना मेरे लिए हमेशा यादगार रहेगा।

उन्होंने आगे कहा, 'तेरा साईं' आस्था, मानवता, उम्मीद और इस विश्वास की कहानी है कि ईश्वर की कृपा हमेशा हमारे साथ होती है। मैं अपने सभी कलाकारों और पूरी टीम का दिल से आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने मेरे विज़न को साकार करने में अपना शत-प्रतिशत योगदान दिया। शूटिंग पूरी हो चुकी है, लेकिन इस फिल्म की असली यात्रा अब पोस्ट-प्रोडक्शन के साथ शुरू हो रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक इस फिल्म से भावनात्मक रूप से जुड़ेंगे।

फिल्म की शूटिंग पूरी होने के साथ ही अब 'तेरा साईं' पोस्ट-प्रोडक्शन के चरण में प्रवेश कर चुकी है। यह फिल्म साईं बाबा की करुणा, प्रेम, सेवा और आध्यात्मिक विचारों को बड़े पर्दे पर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करेगी। निर्माताओं का मानना है कि फिल्म हर उम्र के दर्शकों तक साईं बाबा के सार्वभौमिक संदेश को पहुंचाने का काम करेगी। '

तेरा साईं' वर्ष 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। यह फिल्म हिंदी, मराठी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में देशभर के दर्शकों के लिए प्रदर्शित की जाएगी।

विरोध का अधिकार है लेकिन मर्यादा भी जरूरी : सुरभि चंदना

मुंबई/एजेन्सी

जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा अभी भी जारी है। इस कड़ी में अभिनेत्री सुरभि चंदना, निर्माता करण शर्मा और अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपनी-अपनी राय रखी। तीनों ने अलग-अलग पहलुओं पर बात की लेकिन इस बात पर सहमति जताई कि किसी भी तरह की अभद्र भाषा, नफरत और धमकियां स्वीकार नहीं की जा सकती। आईएएनएस से बात करते हुए अभिनेत्री और निर्माता सुरभि चंदना ने कहा, अगर शिक्षा व्यवस्था में कोई कमी है तो उसी पर बात होनी चाहिए और उसी को लेकर प्रदर्शन होना चाहिए। सवाल पूछना पूरी तरह जायज है और यह हर नागरिक का अधिकार भी है। हालांकि मुझे यह सही नहीं लगा कि मुख्य मुद्दे से हटकर कई दूसरी बातें भी उठाई गईं। इससे असली मुद्दा कमजोर पड़ जाता है। सुरभि ने कहा कि किसी भी नेता, प्रधानमंत्री, राजनीतिक दल या सरकार के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करना सही नहीं है। उन्होंने कहा, अपनी बात मजबूती से रखिए, सवाल पूछिए, विरोध कीजिए लेकिन गाली-गलौज करना या अपमानजनक पोस्टर दिखाना मुझे बिल्कुल भी सही नहीं लगता। अगर व्यवस्था में कोई कमी है तो उसी पर बात होनी चाहिए। सभ्य तरीके से अपनी बात रखने से ही सकारात्मक बदलाव की उम्मीद की जा सकती है।

निर्माता करण शर्मा ने भी इसी मुद्दे पर अपनी राय रखते हुए आईएएनएस से कहा, ''विरोध का तरीका हमेशा मर्यादित होना चाहिए। किसी भी बड़े पद पर बैठे व्यक्ति के प्रति सम्मान बनाए रखना जरूरी है, चाहे किसी की राजनीतिक सोच अलग ही क्यों न हो।''

करण शर्मा ने कहा, ''हम अपने माता-पिता या दादा-दादी से असहमत हो सकते हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम उनका अपमान करें। उसी तरह देश में कोई भी व्यक्ति चाहे जिस पद पर हो, अगर वह प्रधानमंत्री है तो उसके पद का सम्मान किया जाना चाहिए। विरोध करना गलत नहीं है लेकिन विरोध का तरीका भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। मुझे लगता है कि इस मामले में अपनी बात रखने का तरीका बेहतर हो सकता था।''

वहीं, अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने इस पूरे मामले के एक अलग और बेहद गंभीर पहलू की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने उस युवा लड़की के समर्थन में आवाज उठाई, जो हालिया प्रदर्शन का हिस्सा थी और जिसके वायरल वीडियो के बाद उसे सोशल मीडिया पर लगातार रेप और जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं।

भूमि ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा, मैंने इंटरनेट पर एक वीडियो देखा, जिसमें प्रदर्शन में शामिल एक युवा लड़की इंटरव्यू दे रही थी। उसका एक वीडियो वायरल हुआ और उसके बाद से उसे लगातार रेप की धमकियां और जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। सिर्फ वही नहीं, बल्कि उसकी मां और पूरे परिवार को भी इस तरह के मैसेज भेजे जा रहे हैं। यह बिल्कुल भी स्वीकार नहीं किया जा सकता।

भूमि ने कहा, हम किसी लड़की को सिर्फ इसलिए परेशान नहीं कर सकते क्योंकि हम उसकी राय से सहमत नहीं हैं। किसी के मन में डर पैदा करना या उसे मानसिक रूप से तोड़ना सही नहीं है।

अपने निजी अनुभव साझा करते हुए भूमि ने आगे कहा, ''एक महिला और पब्लिक फिगर के रूप में मैं भी ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना कर चुकी हैं। ऐसी घटनाओं का मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा और लंबे समय तक असर पड़ता है। मेरी लोगों से अपील है कि मतभेद जरूर रखें, लेकिन भाषा और व्यवहार हमेशा सम्मानजनक होना चाहिए।''

भूमि ने आगे कहा, ''हर भारतीय चाहता है कि देश आगे बढ़े और विकास करे। अगर लोग एकजुट होकर सही मुद्दों पर सही तरीके से अपनी बात रखेंगे, तभी सकारात्मक बदलाव संभव होगा।''

क्षमा से सम्पूर्ण विश्व को जीता जा सकता है : जयतिलकमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

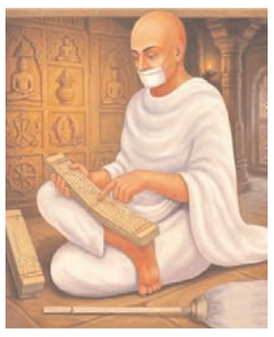

चेन्नई। यहां एसएस जैन संघ, साहुकारपेट के तत्वावधान में जैन भवन के प्रांगण में विराजित जयमल सम्प्रदाय के आचार्यश्री पार्श्वचन्दजी म.सा. के शिष्य श्री जयतिलक मुनिजी म.सा. 'लघु' ने अपने प्रेरणादायी प्रवचन में क्षमा धर्म की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि क्षमा से विश्व को जीता जा सकता है। क्षमा केवल एक शब्द नहीं, बल्कि आत्मा को निर्मल बनाने वाला महान गुण है, जो व्यक्ति को आध्यात्मिक ऊंचाइयों तक पहुंचाने की क्षमता रखता है। गुरुदेव ने कहा कि धर्म केवल बाहरी वेशभूषा बदल लेने या धार्मिक क्रियाएं कर लेने का नाम नहीं है। पूजा, सामायिक, तप और अन्य धार्मिक अनुष्ठान द्रव्य धर्म हैं, किन्तु जब इनके साथ शुद्ध भाव भी जुड़ जाते हैं तभी धर्म की पूर्णता होती है। द्रव्य और भाव दोनों के समन्वय से किया गया धर्म ही वास्तविक धर्म कहलाता है, जो कर्मों की निर्जरा कर आत्मा को शुद्ध बनाता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अनेक लोग बाहरी आडम्बरों को ही धर्म समझ बैठे हैं, जबकि धर्म का वास्तविक स्वरूप अंतःकरण की पवित्रता और भावों की निर्मलता में निहित है। यदि व्यक्ति के भाव शुद्ध हों तो वह आध्यात्मिक प्रगति करते हुए उच्चतम अवस्थाओं तक पहुंच सकता है। जैन दर्शन में श्रावक भी अपने पुरुषार्थ के बल पर तेरहवें गुणस्थान तक पहुंचने की क्षमता रखता है। भावों की निर्मलता ही मोक्षमार्ग का द्वार खोलती है।

प्रवचन के अंत में पूज्य श्री जयतिलक मुनिजी म.सा. ने सभी श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में क्षमा, मैत्री, करुणा और सद्भाव को अपनाएं। क्षमा केवल पर्युषण पर्व या विशेष अवसरों तक सीमित न रहे, बल्कि दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बने।

मोती समान जीवन बनाने के लिए प्राप्ति नहीं, पात्रता का निर्माण करें : आचार्य कुलबोधिसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री वेपेरी श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य श्री कुलबोधिसूरीश्वरजी म. ने गौतम किरण परिसर के आचार्यश्री भुवनभानुसूरी प्रवचन मंडप में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि महोपाध्याय विनयविजयजी महाराज द्वारा रचित 'शांत सुधा रस ग्रंथ' मानव को शांति और आत्मकल्याण की दिशा दिखाने वाला अनुपम ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि जीवन को सार्थक बनाने के लिए चार आधार आवश्यक हैं ग्रंथ, पंथ, संत और कंत यानी स्वामी या मालिक। प्रत्येक व्यक्ति को एक श्रेष्ठ ग्रंथ को अपने जीवन का मार्गदर्शक बनाना चाहिए, एक ही मार्ग को अपनाकर दृढ़ता से उस पर आगे बढ़ना चाहिए तथा हमारी जीवन यात्रा में सद्गुरु के सान्निध्य में रहकर मोक्षमार्ग को प्रशस्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिसके जीवन में उद्देश्य नहीं होता, उसका जीवन दिशाहीन हो जाता है।

आचार्यश्री ने श्रद्धा की दृढ़ता पर बल देते हुए कहा कि जीवन में आस्था का केंद्र बार-बार नहीं बदलना चाहिए। वीतराग अरिहंत परमात्मा के प्रति अटूट श्रद्धा ही आत्मकल्याण का वास्तविक मार्ग है। उन्होंने कहा कि सुख की इच्छा करना गलत नहीं है, किंतु यदि उसका पता गलत हो जाए तो सुख कभी नहीं मिलता। आज मनुष्य का प्रेम परमात्मा के बजाय पुद्गलों से जुड़ गया है, जबकि सच्चा प्रेम केवल परमात्मा से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुख की चाह गलत नहीं है लेकिन उसका एड्रेस गलत है। साधनों से मिलने वाले सुख से कहीं अधिक आनंद साधना में प्राप्त होता है। आचार्यश्री ने प्राप्ति और पात्रता का अंतर बताते हुए कहा कि अध्यात्म जगत में प्राप्ति का उतना महत्व नहीं है, जितना पात्रता का। उन्होंने अत्यंत प्रभावशाली उदाहरणों से समझाया। उन्होंने कहा कि दही जमाने के लिए जामन दूध में डाला जाता है, पानी में नहीं, क्योंकि पात्रता दूध में है। उसी प्रकार वर्षा का जल सांप के मुख में जाकर विष, नदी में मधुर, समुद्र में खारा और स्वाति नक्षत्र में सीप में जाकर मोती बन जाता है। अंतर केवल पात्रता का होता है।

चेन्नई में अमृतवाणी सत्संग 9 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अमृतवाणी सत्संग परम श्रद्धेय श्री राम कृपा से संत शिरोमणि ब्रह्मलीन श्री स्वामी सत्यानंद जी महाराज के एकमेव आध्यात्मिक उत्तराधिकारी परम पूज्य ब्रह्मलीन श्री प्रेम जी महाराज के अनन्य सेवक एवं सदशिष्य श्री ब्रजमोहन जी महाराज प्रमुखश्री स्वामी सत्यानंद सत्संग भवन (श्री राम शरणम्) कालकाजी नई दिल्ली के पावन सानिध्य में संपन्न होगा। अमृतवाणी पाठ एवं भजन कीर्तन दिनांक 9 अगस्त को सायं 6 बजे से लेकर 7:30 बजे तक विवेकानंद नगर स्थित अरविन्द कुमार शर्मा के निवास पर किया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए फोन 98401 12015 पर सम्पर्क किया जा सकता है। स्वामी सत्यानंद सेवा संघ चेन्नई द्वारा सत्संग समय पर शुरु हो जाएगा। पहले आए अपना स्थान ग्रहण करें। सत्संग में चढावा एवं प्रसाद वितरण की मनाई है। सत्संग के पश्चात इच्छुक व्यक्ति श्री महाराजजी से नाम दीक्षा ले सकते हैं।

वाटर कूलर का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। कोयम्बटूर में 5 अगस्त को अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद द्वारा शहर के तेलुगूपालयम क्षेत्र के सरकारी अस्पताल में जन उपयोग हेतु वाटर कूलर स्थापित किया गया जिसका उद्घाटन परिषद की दक्षिण प्रांत की महामंत्री लीला महावीर गांधीमुथा के नेतृत्व में मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर विद्या के द्वारा संपन्न हुआ।

इस अवसर पर नवयुवक परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य एवं श्री राजेंद्र सूरी जैन ट्रस्ट के सचिव महावीर गांधीमुथा, ट्रस्ट के उपाध्यक्ष उत्तम कवाड़ तथा नवयुवक परिषद के स्थानीय शाखा के सचिव अशोक् कबदी एवं अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

जिनवाणी पर सच्ची आस्था रखें : साध्वीश्री मंगलज्योति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने बुधवार को अपने प्रवचन में कहा कि तीर्थंकर परमात्मा की वाणी सदा शाश्वत सत्य रूप और संशय रहित होती है, क्योंकि तीर्थंकर प्रभु अपने केवल ज्ञान होने के पश्चात ही धर्म देशना देते हैं। उन्होंने कहा कि हमें कभी भी निमित्त को दोष नहीं देना चाहिए। स्वयं के किए हुए कर्मों के कारण ही आत्मा इस संसार में सुखी और दुखी बनती है। बोध देना और सुनना भी हमारे आत्म कल्याण रूप वो आहार रूप आत्मा के लिए ज्ञान बोध सम हितकारी और मंगलकारी होती है।

प्रारंभ में साध्वी ऋजुप्रज्ञाजी ने कहा कि आत्मा और कर्म में अनंत शक्ति है। आत्मा और कर्म के सम्बन्धों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आत्मा और कर्म दोनों साथ साथ हैं। उन्होंने आत्मा के तादात्म्य सम्बन्धों जैसे दूध और शक्कर का मिश्रण और संयोग सम्बन्ध-जैसे पिता का बेटे का सम्बन्ध। जहां संयोग है वहां वियोग निश्चित है। आत्मा और कर्म का सम्बन्ध संयोग सम्बन्ध है। अभावी आत्मा कभी मोक्ष में नहीं जाती है। जिनवाणी श्रवण करने से आत्मा कर्म मैल से रहित होकर अपना संसार सीमित कर लेती है, अतः जिनवाणी पर सच्ची श्रद्धा रखें और गुरुवाणी सुनकर हृदयंगम करने का प्रयास करना चाहिए। साध्वी ऋजु प्रज्ञाजी ने प्रातः कालीन युवाओं की कक्षा को भी संबोधित किया। संघ के कोषाध्यक्ष प्रकाशचंद खिवंसरा ने आगंतुकों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

आत्म विश्वास केबल पर असंभव को संभव बनाया जा सकता है : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ चूलै में मणिक्कम स्ट्रीट स्थित लक्ष्मी महल में चातुर्मासार्थ विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने अपने प्रवचन के दौरान बुधवार को कहा कि मनुष्य के जीवन में प्राप्त धन, साधन, संपर्क, प्रतिभा आदि का वास्तविक उपयोग तभी संभव है जब मनुष्य के भीतर आत्मविश्वास हो आत्मविश्वास वह आंतरिक ऊर्जा है, जो असंभव प्रतीत होने वाले कार्यों को भी संभव बना देती है। चाहे लौकिक जीवन हो या आध्यात्मिक साधना, आत्मविश्वास के बिना कोई भी महान उपलब्धि प्राप्त नहीं की जा सकती किंतु विडंबना यह है कि अधिकांश लोग अपनी शक्तियों को पहचान ही नहीं पाते। वे अपनी क्षमता से नहीं, बल्कि अपनी कमजोरियों से परिचित रहते हैं। जो व्यक्ति स्वयं को हीन समझता है, वह अवसर आने पर भी आगे नहीं बढ़ पाता। जिसे स्वयं पर भरोसा नहीं, उस पर संसार भी भरोसा नहीं करता।

सफलता का रहस्य अपने सामर्थ्य पर अटूट विश्वास में छिपा है। जब व्यक्ति यह दृढ़ निश्चय कर लेता है कि मैं यह कार्य अवश्य करूँगा, तब उसकी सुप्त शक्तियाँ भी जागृत हो जाती हैं। संसार के महानतम व्यक्तियों ने पहले अपने ऊपर विश्वास किया, तब संसार ने उन पर विश्वास किया। यदि वे प्रारंभ में ही स्वयं को असफल मान लेते, तो उनका नाम इतिहास में कभी अंकित न होता। आध्यात्मिक दृष्टि से भी आत्मविश्वास का अत्यंत महत्त्व है। आत्मा अनंत ज्ञान, अनंत दर्शन, अनंत शक्ति और अनंत आनंद का भंडार है। लेकिन जो स्वयं को केवल दुर्बल शरीर मानता है, वह अपनी आत्मशक्ति का अनुभव नहीं कर सकता। चेयरमैन आनंदमल छल्लानी व अध्यक्ष मनीष रांका ने सभी आगंतुकों का आतिथ्य सत्कार किया।

बाह्य शोर शांत होगा, तभी भीतर परमात्मा की वाणी सुनाई देगी : मुनि तीर्थचैतन्य विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक जैन संघ में विराजित मुनिश्री तीर्थचेतन्य विजयजी म. ने बुधवार के प्रवचन में कहा कि आचारांग सूत्र का प्रथम सूत्र संपूर्ण द्वादशंगी का केंद्र बिंदु है, जहां से समस्त आगम साहित्य का प्रवाह प्रारंभ होता है। इस प्रथम सूत्र को आचार्य आर्यरक्षित सूरिश्वरजी ने चार अनुभागों में विभाजित किया। उन्होंने मुनिश्री जम्बूविजयजी म. के अतुलनीय योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने सूर्योदय से सूर्यास्त तक निराहार रहकर आगमों के संरक्षण और संपादन में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया, तभी यह अमूल्य श्रुतज्ञान आज हमारे हाथों तक पहुंच पाया।

माँ, महात्मा और परमात्मा की सुंदर व्याख्या करते हुए मुनिश्री ने कहा कि जिसकी गोद में सिर रखते ही दुःख दूर हो जाए, वह मां है, जिसकी शरण में जाने से पाप नष्ट हो जाएं, वह महात्मा है; और जिसकी शरण से जन्म-मरण का संसार समाप्त हो जाए, वही परमात्मा हैं। उन्होंने अर्जुन मालिक का उदाहरण देते हुए कहा कि छह-छह हत्याएं करने वाला भी जब परमात्मा की शरण में पहुंचा, तो उसका संसार-भ्रमण समाप्त हो गया। मुनिश्री ने कहा कि भगवान को हृदय में स्थापित करने के लिए राग-द्वेष का अंत करना आवश्यक है। संसार की वस्तुएं प्राप्त करना सरल है, परंतु परमात्मा का शासन मिलना अत्यंत दुर्लभ है। सौभाग्य से हमें यह शासन मिला है, फिर भी हम बाह्य पदार्थों के मोह में भटक रहे हैं।

उन्होंने प्रेरणा देते हुए कहा, भगवान की वाणी तभी सुनाई देगी, जब बाहर का सुनना बंद होगा। बाहर का शोर शांत होगा, तभी भीतर की दिव्य आवाज़ सुनाई देगी। यदि भगवान की वाणी सुनकर भी आत्मा का विकास नहीं होता, तो दुर्गति निश्चित है। इसलिए भगवान की वाणी को केवल सुनना नहीं, बल्कि जीवन में उतारना आवश्यक है।

इनर रीबूट पर्युषण महापर्व के माध्यम से होगी आत्म-जागरण की यात्रा

बेंगलूरु। शहर के सुविधिनाथ जैन मंदिर एवं दादावाड़ी ट्रस्ट, क्लासिक ऑर्चर्ड्स, द्वारा 8 से 15 सितंबर तक इनर रीबूट' पर्युषण महापर्व का आयोजन किया जा रहा है। यह विशेष कार्यक्रम युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।मुनिश्री मलयप्रभसागरजी की निश्रा में आयोजित होने वाले इस शिविर का उद्देश्य जैन दर्शन के शाश्वत सिद्धांतों को आधुनिक जीवन से जोड़ना तथा आत्मचिंतन, आत्म-जागरूकता और आत्म-परिवर्तन की दिशा में प्रेरित करना है। इस 'इनर रीबूट, ए जर्नी फ्रॉम दिल टू सोल' विषय पर आधारित इस महापर्व में ध्यान, आत्मचिंतन, प्रेरक संवाद, नेतृत्व विकास, सेवा, करुणा, समूह गतिविधियाँ और जैन जीवन मूल्यों पर आधारित अनेक सत्र आयोजित किए जाएंगे।

गुणों का सम्मान ही आत्मोन्नति का प्रथम सोपान है : साध्वी प्रियरंजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां कुशल बाग में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रियरंजनाश्रीजी म.सा. ने गुणीजनों का बहुमान विषय पर अत्यंत प्रेरणादायी एवं चिंतनशील प्रवचन प्रदान करते हुए कहा कि संसार वस्तुतः हमारे दृष्टिकोण का ही प्रतिबिंब है। दोषदृष्टि रखने वाला व्यक्ति समुद्र में केवल खारापन, चन्द्रमा में कलंक और कमल में कीचड़ देखता है, जबकि गुणग्राही व्यक्ति समुद्र की विशालता, चन्द्रमा की शीतलता और कमल की निर्मलता का दर्शन करता है। सुअर, मक्खी और चील के दृष्टांतों के साथ-साथ युधिष्ठिर एवं दुर्योधन के प्रसंग द्वारा उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यक्ति को वही दिखाई देता है, जैसा उसका अंतःकरण होता है।

उन्होंने गौतम स्वामी के मान, भगवान मल्लिनाथ की माया, पुण्य श्रावक के लोभ तथा स्थूलभद्रजी की वासना सहित अनेक प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से आंतरिक कषायों पर विजय प्राप्त करने का संदेश दिया। परमात्मा के निरंजन, निर्विकार एवं समदर्शी स्वरूप का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि तीर्थंकरों एवं महापुरुषों के गुणों का निरंतर चिंतन, अध्ययन और गुणगान करने से वे गुण धीरे-धीरे हमारे जीवन में भी प्रकट होने लगते हैं। प्रवचन के समापन पर उन्होंने पांच प्रकार के मित्र खाली मित्र, प्याले मित्र, थाली मित्र, ताली मित्र और माली मित्र का अत्यंत सुंदर विवेचन करते हुए बताया कि वास्तविक मित्र वही है, जो हमारे व्यक्तित्व का संवर्धन करे, दोषों से बचाए और जीवन को सद्मार्ग की ओर अग्रसर करे।

इसी अवसर पर साध्वीश्री दिव्यांजनाश्रीजी म.सा. ने जीवन में श्रेष्ठता की पहचान विषय पर प्रेरक उद्बोधन देते हुए कहा कि मनुष्य संसार में सदैव श्रेष्ठ वस्तुओं का चयन करता है, किंतु यह भूल जाता है कि उसे स्वयं दुर्लभ मानव जन्म, उत्तम कुल, सद्धर्म और सद्गुरुओं का अनुपम सान्निध्य प्राप्त हुआ है।

पुण्य कम होने पर इच्छाओं को समेट लेना ही समझदारी : डॉ. समकितमुनि

'संजीवनी चातुर्मास' में 18 दिवसीय पुण्य कलश आराधना आज से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में बेंगलूरु चातुर्मास समिति के तत्वावधान में आयोजित 'संजीवनी चातुर्मास-2026'में डॉ. समकित मुनिजी के सान्निध्य में बुधवार को डॉ. समकित मुनि ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए प्रवचन में मानव जीवन में पुण्य, संयम, सुसंस्कार और इच्छाओं के संयमन का संदेश दिया। सभा का शुभारंभ जयवंत मुनि द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण भजन से हुआ। उन्होंने कहा कि यह शरीर मिट्टी का दीपक है और आत्मज्ञान उसकी बाती है। यदि जीवन को धर्म का प्रकाश मिल जाए तो मानव जन्म सार्थक बन जाता है। समकित मुनिजी ने कहा कि जब मनुष्य को यह अनुभव होने लगे कि उसके पुण्य की चादर छोटी पड़ रही है और इच्छाओं के पैर लंबे होते जा रहे हैं, तब अपनी इच्छाओं को समेट लेना ही वास्तविक समझदारी है। सीमित इच्छाएँ ही स्थायी सुख और संतोष का आधार बनती हैं। उन्होंने कहा कि इच्छाएँ जितनी बढ़ती हैं, दुःख भी उतना ही बढ़ता है। संसार उसी को सम्मान देता है जिसके पुण्य जागृत होते हैं, जब तक पुण्य साथ रहता है, लोग भी साथ चलते हैं, किंतु पाप का उदय होते ही साथ देने वाले भी दूर हो जाते हैं।

संतश्री ने कहा कि मनुष्य का वास्तविक धन उसका पुण्य है। जिस प्रकार बैंक में जमा पूंजी समाप्त हो जाए तो खर्च करना कठिन हो जाता है, उसी प्रकार पुण्य का संचय समाप्त होने पर जीवन में सुख, सफलता और अनुकूल परिस्थितियाँ भी साथ छोड़ने लगती हैं, इसलिए बिना उद्देश्य और बिना लाभ वाले कार्यों में अपने पुण्य का अपव्यय नहीं करना चाहिए। अच्छे विचार, धर्म, दान, सेवा, तप, त्याग और परोपकार से ही पुण्य का संचय होता है। उन्होंने कहा कि इच्छाएँ कभी समाप्त नहीं होतीं, लेकिन इच्छाओं से नहीं, पुण्य से प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि दीर्घ आयुष्य का सर्वोत्तम उपयोग धर्म, तप, त्याग, दान, सेवा और परोपकार में होना चाहिए, क्योंकि यही साधन जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। सुसंस्कार ऐसी अमूल्य धरोहर हैं जिनके कारण जन्म लेते ही नवकार महामंत्र सुनने और जिनशासन की छाया प्राप्त करने का सौभाग्य मिलता है। इन संस्कारों और पुण्य की संपत्ति को सत्कर्मों द्वारा निरंतर बढ़ाया जा सकता है।

अहंकार पर प्रहार करते हुए मुनिश्री ने कहा कि पुण्य से प्राप्त धन, वैभव, पद और प्रतिष्ठा का कभी अभिमान नहीं करना चाहिए। जो कुछ भी मिला है, उसके लिए देव, गुरु और धर्म के प्रति सदैव कृतज्ञ रहना चाहिए।

उन्होंने प्रेरक शब्दों में कहा कि धन यदि पुण्य से प्राप्त किया है तो उसे पुण्य के कार्यों में ही लगाइए। चातुर्मास के दौरान तपस्या का क्रम भी निरंतर प्रगति पर है। 23 अगस्त तक आयोजित होने वाली 18 दिवसीय पुण्य कलश आराधना का शुभारंभ गुरुवार से होगा। संचालन करते हुए प्रचार-प्रसार समिति के नेमीचंद दलाल ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

गलत धारणाएं और गलतफहमियां होती हैं दुःखदायी : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। स्थानीय महावीरस्वामी जैन श्वेतांबर संघ, फीलखाना के तत्वावधान में में श्रोताओं को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि गलत धारणाएं और गलतफहमियां हमेशा दुःखदायी होती हैं, उनसे बचने का प्रयत्न करना चाहिए।

-सुनाई बातों पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। ज्ञानी और बुद्धिशाली मनुष्य को भी हमेशा सोच समझकर अल्प तथा औचित्य पूर्ण ही बोलना चाहिए। किसी भी व्यक्ति, वस्तु, परिस्थिति या प्रसंग को देखने का विशिष्ट दृष्टिकोण तैयार करना चाहिए। यही हमारी बौद्धिक परिपक्वता और पारंगतता का परिचायक है। कौआ और सुअर हमेशा गंदगी तलाशते हैं, जबकि हंस मोती चुगता है। उज्वल संभावनाओं का धनी मनुष्य हमेशा सत्वशाली एवं सज्जनों की संगति करेगा, जबकि मूर्ख मनुष्य दुर्जनों की मित्रता में अपनी शान समझता है। यही सोच और बुद्धि का मौलिक अंतर है।

सामान्यतया कमजोर सोच-विचार तथा पर्याप्त बौद्धिक क्षमता के अभाव में व्यावहारिक विषमताएं पैदा होती हैं। ऐसी स्थिति में मनुष्य कुछ का कुछ सोचता है, गलत धारणाएं बनाता है, गलतफहमी का शिकार होता है, अनुचित निर्णय लेता है।

इन सबसे बचने और निरापद पथ पर आगे बढ़ने के लिए हमेशा बुद्धिशाली सज्जन पुरुषों की संगति करनी चाहिए। तत्काल निर्णय नहीं लेने चाहिए। अधिक सुनना और कम बोलना चाहिए। ज्ञानियों के सान्निध्य में रहकर ज्ञानवान बनना चाहिए, यही जीवन का सुख-शांति का मार्ग है।

ध्यान, सजगता और आत्मचिंतन से सफल जीवन का निर्माण संभव : संतश्री वीरमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ज्ञानोदय परिसर तुबरहल्ली में विराजित मुनिश्री वीरसागरजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि मनुष्य अपने मस्तिष्क की कार्यप्रणाली, मस्तिष्कीय तरंगों तथा तंत्रिका तंत्र को समझ ले, तो वह मानसिक अवरोधों को दूर कर अपने अवचेतन मन का सकारात्मक पुर्नसंस्कार कर सकता है।

उन्होंने कहा कि ध्यान, सजगता और आत्मचिंतन के माध्यम से तनावमुक्त, संतुलित एवं सफल जीवन का निर्माण संभव है। आत्मविश्वास की कमी, भय, स्वयं पर संदेह, नकारात्मक सोच तथा समाज की अनावश्यक चिंता व्यक्ति की उन्नति के सबसे बड़े अवरोध हैं। जब मन इन नकारात्मक भावों से भर जाता है, तब व्यक्ति अपनी वास्तविक क्षमता का उपयोग नहीं कर पाता।

मुनिश्री ने कहा,आज का मनुष्य अनावश्यक रूप से मोबाइल, सामाजिक माध्यमों तथा अन्य डिजिटल साधनों पर प्रतिदिन कई घंटे व्यतीत कर रहा है। विशेष रूप से नकारात्मक एवं विषाक्त सामग्री का निरंतर उपभोग मन की शांति, ऊर्जा तथा सकारात्मक सोच को प्रभावित करता है।

उन्होंने सभी से डिजिटल अनुशासन अपनाने, उपयोगी एवं प्रेरणादायक सामग्री ग्रहण करने तथा प्रतिदिन कुछ समय आत्मचिंतन और ध्यान के लिए अवश्य निकालने का आग्रह किया।

प्रवचन के अंतिम चरण में मुनिश्री ने लगभग पंद्रह मिनट का विशेष ध्यान कराया। इसमें गहरी उदर-श्वास, प्रणव ध्वनि का उच्चारण, आज्ञा चक्र पर सात पंखुड़ियों वाले कमल का ध्यान तथा सकारात्मक आत्म-संकल्पों का अभ्यास कराया गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.